

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

डिजिटल डिवाइड: भारत के संदर्भ में

कभी यह कहा जाता था कि पूरी दुनिया के लोगों को दो समूहों में बांटा जा सकता है – हैक्स और हैवनोट्स। अर्थात वे जिनके पास सब कुछ था काफी कुछ है और जिनके पास कुछ भी नहीं है। यह भी कहा जा सकता है कि एक समूह अमीरों का है और दूसरा गरीबों का। दुनिया में अमीरी और गरीबी अब भी बरकरार है। हमारा देश भी इस स्थिति का अपवाद नहीं है। लोग यह भी कहते हैं कि इधर अमीर और अमीर हुए हैं तथा गरीब और गरीब। कुछ की संपदा बहुत तेज गति से बढ़ी है तथा कुछ दो वक्त की रोटी के भी मोहताज हो गए हैं। इस स्थिति का दोष पूंजीवाद को दिया जाता है। इस पूरी चर्चा का सन्दर्भ अर्थ अर्थात धन है। लेकिन इधर धन के अलावा एक और संदर्भ में दुनिया को दो हिस्सों में बांटकर देखा जाने लगा है और जो रेखा दुनिया को दो हिस्सों में बांटती है उसे डिजिटल डिवाइड कहा जाता है। हिंदी में इसे डिजिटल विभाजन कहा जा सकता है, लेकिन बात पूरी तरह बनती नहीं है इसलिए हम अपनी चर्चा में डिजिटल डिवाइड अभिव्यक्ति का ही प्रयोग करेंगे।

ऐसा कहा और माना जाता है कि सूचना प्रौद्योगिकी का विकास आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सूचना प्रौद्योगिकी एक व्यापक अभिव्यक्ति है जिसमें कंप्यूटर, नेटवर्किंग, सॉफ्टवेयर, डेटा प्रबंधन और इंटरनेट जैसी तकनीकों और सामग्री का उपयोग सूचना के निर्माण, उसके संठाण, प्रसारण और प्रसंस्करण के लिए किया जाता है। दुनिया में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी की शुरुआत 1940 के दशक में हुई, लेकिन तब के कंप्यूटर बहुत बड़े वैक्यूम ट्यूब पर आधारित और महंगे थे तथा उनका प्रयोग भी वैज्ञानिक और सैनिक गणनाओं तक सीमित था। यह दौर 1960 तक चला। 1960 से 1980 का कालखंडमेनफ्रेम और मिनी कंप्यूटर युग के नाम से जाना जाता है और इस कालखंड में ट्रांजिस्टर और एकीकृत सर्किट ने कंप्यूटर को छोटा, तेज और किफायती बना दिया। बड़े कार्यों के लिए मेनफ्रेमकंप्यूटर और छोटे व निजी कार्यों के लिए मिनी कंप्यूटर चलन में आए। सॉफ्टवेयर का विकास होने लगा, प्रोग्रामिंग भाषाएं विकसित होने लगीं और नेटवर्किंग की शुरुआत हुई। इसके बाद के अर्थात 80 से 90 के दस साल पर्सनल कंप्यूटर युग के नाम से जाने जाते हैं। इसी कालखंड में सॉफ्टवेयर क्रांति हुई और 1980 से इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ने लगा। इसके बाद के अर्थात 1990 से 2000 के बीच के दस साल इंटरनेट और डिजिटल युग कहे जाते हैं। 1991 में टिमबर्नर्स ली ने की शुरुआत करके इंटरनेटको आम जन के लिए सुलभ बना दिया। ई-कॉमर्स और डिजिटल सेवाएं लोकप्रिय हुईं, गूगल जैसे प्लेटफॉर्म उभरे। डेटा सझाकरण आम हुआ। नयी शताब्दी के शुरुआती दस बरस (2000-2010) मोबाइल और क्लाउड युग कहे जाते हैं। इस कालखंड में स्मार्टफोन क्रांति हुई, एपल और एंड्रॉइड ने जैसे हमारी ज़िंदगी ही बदल दी। सोशल मीडिया और ब्रॉडबैंड भी इसी दौर में हमारे जीवन में आए। और इसके बाद का समय (2010-अब तक) कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समय है। 5 जी, उन्नत नेटवर्किंग, इंटरनेटऑफ थिंग्स, स्मार्ट डिवाइस ये सब हमारे जीवन में शामिल हो चुके हैं। सारी दुनिया में यह सब हो रहा था तो भारत भी इससे प्रभावित हो रहा था। 1990 के दशक में हमारे सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग ने सॉफ्टवेयर निर्माण और बीपीओ सेवाओं में अपनी जगह बनाई, 2000 तक आते-आते इंटरनेट और मोबाइल फोन का अधिक उपयोग होने लगा और 2010 के बाद जिओ की क्रांति, स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल इण्डिया की पहल वगैरह ने भारत को भी अन्य उन्नत देशों के समकक्ष खड़ा कर दिया।

ऐसा अनुमान किया जाता है कि इस साल अर्थात 2025 तक आते-आते भारत में इंटरनेट का

इस बात को समझा जाना आवश्यक है

कि यह डिजिटल डिवाइड भारत की

सर्वतोमुखी प्रगति में बड़ी बाधा है। इसके

कारण शिक्षा, रोज़गार और आर्थिक एवं

सामाजिक समानता प्रतिकूलतः प्रभावित

हो रहे हैं। यही आशा की जा सकती है

कि हमारी सरकार और निजी क्षेत्र एक-

दूसरे के साथ सहयोग करते हुए इस

स्थिति को बदलने का प्रयास करेंगे।

नहीं हो पाती है और जब मैं उससे कहता हूँ कि तुम सोशल मीडिया वगैरह का इस्तेमाल क्यों नहीं करते, तो उसका जवाब होता है – इंटरनेट है। इंटरनेट है तो इसका इस्तेमाल करूँ। तो इस तरह मैं पाता हूँ कि जहां तक सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सुविधाओं का सवाल है, भारत स्पष्टतः दो हिस्सों में बंटा हुआ है : एक वह जिसके पास है, और दूसरा वह जिसके पास नहीं है। अब यह जो नहीं वाला समूह है, इसकी बहुत सारी दिक्कतें हैं। इनके आर्थिक साधन सीमित हैं इसलिए इनके लिए स्मार्ट फोन और किसी भी तरह का कंप्यूटर खरीदना सहज नहीं है। बहुत बार तो होता यह है कि पूरे परिवार के पास एक ही स्मार्ट फोन होता है (अगर होता है) और इधर कोविड के बाद से उसकी उपदेयता पढ़ने वाले बच्चों के लिए बढ़ गई है तो परिवार के शेष लोगों को उसकी सुविधाओं से वंचित ही रहना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में अगर वहां भी वंचित बच हो लेंगे और महिलाओं तक शिक्षा का उजाला पूरी तरह नहीं पहुंच पाया है। महिलाओं और बुजुर्गों में अन्‍यों की अपेक्षा डिजिटल साक्षरता कम है और कुल मिलाकर ग्रामीण जन विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, एपस और इससे आगे सायबर सुरक्षा के बारे में बहुत कम जानकारी रखते हैं। हमारे समाज के बहुसंख्यक अंश के लिए डिजिटल साक्षरता के प्रसार में एक बड़ी बाधा भाषा की भी है। क्योंकि अधिकांश डिजिटल सामग्री अंग्रेजी में है, यह समूह उसका लाभ नहीं ले पाता है। इधर बेशक हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में ये सुविधाएं सुलभ होने लगी हैं, इस बात को भी स्वीकार करने में झिझक नहीं होनी चाहिए कि इन माध्यमों पर अंग्रेजी की तुलना में हिंदी का प्रयोग थोड़ा कठिन है।

भारत की जनसंख्या का यह जो बड़ा हिस्सा डिजिटल सुविधाओं से वंचित है, इसकी ज़िंदगी अनेक प्रकार से प्रतिकूलतः प्रभावित हो रही है। जो युवा हैं उनकी नौकरी के अवसर सीमित हो रहे हैं। यह कोई अलग से कहने की बात नहीं है कि वर्तमान समय में जो डिजिटल निरक्षर हैं उनके लिए नौकरी के अवसर लगभग नगण्य हैं। अगर कोई नौकरी का आकांक्षी नहीं है तो भी वह डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवाओं का लाभ नहीं ले पा रहा है। किसी को अगर सामाजिक रूप से सक्रिय रहना है तो वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहा है और इस तरह समाज से अलग-थलग पड़ रहा है। अगर इस समूह का एक छोटा-सा हिस्सा किसी तरह डिजिटल सुविधाओं का लाभ ले भी रहा है तो वह डेटा चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो कर जितना पा सक रहा है उससे ज्यादा खो रहा है।

इस निराश करने वाले परिदृश्य में यह जानना थोड़ी राहत देता है कि भारत सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही इस स्थिति को बदलने के लिए प्रयत्नरत हैं। भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जुड़ाव बढ़ाने के लिए डिजिटल इंडिया योजना चला रखी है, ग्रामीण जन को डिजिटल साक्षरता देने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान चलाया जा रहा है, नई शिक्षा योजना, 2020 के अंतर्गत क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के अनेक प्रयास हो रहे हैं। इसी तरह विभिन्न टेलीकॉम सेवा प्रदाता सस्ते डेटा प्लान देकर और 4 जी-5 जी नेटवर्क का विस्तार कर स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अनेक गैर सरकारी संगठन व समाज सेवी संस्थाएं भी अपने-अपने स्तर पर अनेक कार्य करके स्थिति को बेहतर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। उम्मीद है कि जानी चाहिए कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर अधिक ध्यान देगी, वहां बिजली की आपूर्ति की स्थित सुधारेगी और ब्रॉडबैंड टेक्नर्क का विस्तार करेगी। इसी के साथ विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता पर अधिक बल दिया जाएगा और निजी क्षेत्र को प्रेरित किया जाएगा कि वह कम कीमत वाले स्मार्ट फोन और लैपटॉप बाजार में लाए और वित्तीय संस्थाएं इनकी खरीद के लिए आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराएं।

इस बात को समझा जाना आवश्यक है कि यह डिजिटल डिवाइड भारत की सर्वतोमुखी प्रगति में बड़ी बाधा है। इसके कारण शिक्षा, रोजगार और आर्थिक एवं सामाजिक समानता प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहे हैं। यही आशा की जा सकती है कि हमारी सरकार और निजी क्षेत्र एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हुए इस स्थिति को बदलने का प्रयास करेंगे।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

राशिफल

सोमवार 26 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र प्रातः 8:24 तक, शोभन योग प्रातः 7:02 तक, शुक्लिन करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:41 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।
आज पितृका अमावस्या, बड़ पूजन अमावस्या, शनि जयन्ती, फल हारिणी कलिका पूजन है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:01 से 10:42 तक, चर 2:05 से 3:46 तक, लाभ अमृत 3:46 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09



मेघ
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्याह्न पश्चात पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।



तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्याह्न व्यावसायिक मामलों में परेशानी हो सकती है।



वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्याह्न पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटक-हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



मिथुन
अपने अति आवश्यक कार्यों को दिन के मध्याह्न पूर्व से करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्याह्न पश्चात धन हानि का भय है।



धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्याह्न पश्चात अटक-हुए कार्य बनने लगेंगे।



कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्राप्ति होगी। दिन के मध्याह्न पश्चात अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।



मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उन्नत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक-हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्याह्न पश्चात कार्यों में आरंभ अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्याह्न पश्चात परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कन्या
चन्द्रमा अशुभ भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है। दिन के मध्याह्न पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्राप्ति होगी।



मीन
आर्थिक कारणों से अटक-हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्याह्न पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

फड़ चित्रकला: राजस्थान की चलायमान कथा और सांस्कृतिक आत्मा



अविनाश जोशी

भारत की सांस्कृतिक विविधता विश्व में अद्वितीय है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट लोक परंपराएँ, कलाएँ और लोककथाएँ हैं, जो न केवल वहाँ के समाज को परिभाषित करती हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को भी समृद्ध करती हैं। जब हम राजस्थान की बात करते हैं, तो एक रंगीन, राजसी और जीवंत लोकसंस्कृति का दृश्य आँखों के सामने उभर आता है। इसी सांस्कृतिक परंपरा की एक विलक्षण धरोहर है फड़ चित्रकला, जो चित्रकला, कथा, संगीत और श्रद्धा का ऐसा संगम है, जैसा विश्व की बहुत कम कलाओं में देखने को मिलता है।

‘फड़’ शब्द का शाब्दिक अर्थ है – कपड़े का एक लंबा टुकड़ा। परंतु फड़ केवल एक चित्रित वस्त्र भर नहीं है, यह अपने आप में एक चलता-फिरता मंदिर है, जो जन-जन तक लोकदेवताओं की कथा, मर्यादा और संदेश को पहुँचाता है। इस फड़ को लोक कलाकार ‘भोपा’ और ‘भोपियाँ’ गांव-गांव लेकर घूमते

जल विहार में बिराजे प्रभु

राजसमंद । जिला मुख्यालय स्थित श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के श्री द्वारकाधीश मंदिर में रविवार को विशेष श्रृंगार और उत्सव का आयोजन किया गया। प्रातःकाल श्रृंगार दर्शन में श्री प्रभु को मस्तक पर केसरी छञ्जेदार पाग, जिस पर मोती का सेहरा, केसरी बडौ पिछोडा और केसरी अंतर्वास का पटका एवं मोती के आभरण और वनमाला का श्रृंगार धराया गया। जिसके बाद श्रृंगार दर्शन में राजभोग में प्रभु को फूलों का श्रृंगार अंगीकार कराया गया और प्रभु को चंदन के बंगले में विराजित किया गया।

राजभोग दर्शन में गुजराती वैष्णवों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। वहीं शयन के दर्शन में प्रभु जल विहार करते हुए चंदन की बडी सांगामाची पर बिराजे। शाम को उत्थापन दर्शन से पहले रतन चौक में यमुनाजी की भावना कर जल भरा गया। इस जल में लकड़ी के खिलौने जैसे- मगरमच्छ, मछली, बतखें, हंसों का जोड़ा, कछुआ प्रवाहित किए गए। यमुनाजी में गुलाब के फूल, खस-खस, मोगरा और शीतल देने वाले इत्र भी पधराए गए, जिससे वातावरण सुगंधित और शांत हो गया। वहीं प्रभु को मोगरा की कलियों और फूलों का विशेष श्रृंगार अंगीकार कराया गया। शयन के जल विहार दर्शन का लाभ स्थानीय और बाहर से पधारे भक्तों ने भरपूर आनंद के साथ लिया।

हैं और दीपों की रोशनी में संगीत, गायन और नाटकीय शैली में कथा वाचन करते हैं। यह परंपरा केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक धार्मिक अनुष्ठान का रूप ले लेती है, जिसमें श्रोता सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सहभागी बन जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि फड़ चित्रकला की परंपरा लगभग सात सौ से एक हजार वर्षों पुरानी है। प्रारंभ में इसका उपयोग भील समुदाय के पुजारी-गायक किया करते थे, जो लोकदेवताओं की गाथाएँ लोगों को सुनाते थे। धीरे-धीरे यह परंपरा शाहपुरा और भीलवाड़ा क्षेत्र में विकसित हुई और चित्रकला के रूप में प्रतिष्ठित हुई। प्रारंभिक फड़ों में पाबूजी की कथा सबसे प्रमुख रही, जिन्हें पशुपालकों और ठाणीणों का रक्षक देवता माना जाता है। इसके अतिरिक्त देवनारायण, तेजाजी, गोगाजी जैसे अन्य लोकदेवताओं की गाथाएँ भी फड़ों का विषय बनीं।

फड़ चित्रकला एक आयताकार कपड़े पर बनाई जाती है, जिसकी लंबाई कई फीट तक हो सकती है। इसकी विशेषता यह है कि चित्र स्पष्ट होते हैं, उनमें कोई परिप्रेक्ष्य या गहराई नहीं होती। मुख्य देवता को केंद्र में चित्रित किया जाता है, और उनके चारों ओर अनुक्रमित रूप में कथा के दृश्य, पात्र और घटनाएँ दर्शाई जाती हैं। परंपरागत रूप से प्राकृतिक रंगों का प्रयोग होता था, जो पौधों, पत्थरों और खनिजों से तैयार किए जाते थे। आजकल हालांकि रासायनिक रंगों का उपयोग भी होने लगा

है। रंगों का चयन भी प्रतीकात्मक होता है – लाल ऊर्जा का, पीला पवित्रता का, हरा जीवन का और काला शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

फड़ का निर्माण एक धार्मिक प्रक्रिया मानी जाती है। चित्र बनाने से पूर्व कलाकार उसकी पूजा करता है और चित्र पूर्ण होने के बाद प्राण-प्रतिष्ठा जैसा अनुष्ठान किया जाता है। भोपा इस फड़ को केवल विशेष धार्मिक अवसरों पर ही खोलता है, जिससे इसकी पवित्रता और महत्ता स्पष्ट होती है। फड़ केवल देवता की वस्तु नहीं है, बल्कि वह जीवंत होती है, एक कथा का माध्यम होती है, और कलाकार उसमें अपनी आत्मा उड़ेलता है।

फड़ चित्रकला की परंपरा को जीवित रखने में दो समुदायों की विशेष भूमिका रही है शाहपुरा के छीपा समाज, जो इन चित्रों को बनाते हैं, और भोपा-भोपियाँ, जो इन्हें प्रस्तुत करते हैं। छीपा समाज को इस कला का मूल संवाहक माना जाता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपने परिवारों को यह कला सिखाता आया है। वहाँ भोपा अपने रावणहत्था वाद्ययंत्र के साथ जब कथा गाता है, तो वह केवल गायन नहीं, अपितु अध्यात्म का अनुभव हो जाता है।

समय के साथ फड़ चित्रकला में विषयों का विस्तार हुआ है। यह केवल धार्मिक गाथाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि आज इसने पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, महामारी जैसे समकालीन विषयों को भी अपनी

अभिव्यक्ति में शामिल कर लिया है। अब यह चित्रकला कैनवास, दीवारों, परिधानों और सजावटी वस्तुओं तक पहुँच चुकी है। जयपुर, शाहपुरा और भीलवाड़ा जैसे क्षेत्रों में अब फड़ चित्रों का व्यावसायिक उत्पादन और प्रशिक्षण शुरू हो चुका है।

फड़ कलाकार आज अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भी भाग लेने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्रदर्शनियों के माध्यम से यह कला वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही है। कुछ कलाकारों ने पारंपरिक विषयों को समकालीन संवेदनाओं के साथ जोड़ने का सफल प्रयास किया है, जिससे यह परंपरा न केवल जीवित है, बल्कि वर्तमान से संवाद कर रही है।

हालाँकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। आज की युवा पीढ़ी में इस कला के प्रति रुचि में कमी देखी जा रही है। कलाकारों को उनके परिश्रम के अनुसार पारिश्रमिक और सम्मान नहीं मिल पाता। आधुनिक मनोरंजन के साधनों ने लोककलाओं को हाशिये पर डाल दिया है। यदि समय रहते संरक्षण और प्रचार के गंभीर प्रयास न किए गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ इस अद्भुत कला से अनभिज्ञ रह जाएँगीं।

फड़ चित्रकला को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के प्रयासों में कुछ संस्थाएँ विशेष भूमिका निभा रही हैं। स्व. श्री लाल जोशी द्वारा स्थापित ‘जोशी कला कुंज’ ने इस कला को प्रशिक्षण

और नवाचार के माध्यम से जीवित रखा है। उदयपुर स्थित भारतीय लोक कला मंडल ने फड़ चित्रों का संठाहण और प्रदर्शन कर पर्यटकों और शोधकर्ताओं को इस कला से परिचित कराया है। भारत सरकार और राजस्थान सरकारा समय-समय पर फड़ कला पर आधारित डाक टिकट और विशेष आवरण जारी कर इसके महत्व को रेखांकित करती रही हैं।

आज आवश्यकता है कि इस कला को केवल संठाहालयों और प्रदर्शनी हॉलों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनजीवन से जोड़ा जाए। यदि फड़ चित्रकला को शिक्षा, पर्यटन, डिजिटल मीडिया और सार्वजनिक कला परियोजनाओं से जोड़ा जाए, तो यह एक जीवंत परंपरा बन सकती है, जो न केवल अतीत से जुड़ी है, बल्कि वर्तमान और भविष्य से भी संवाद करती है।

फड़ चित्रकला राजस्थान की सांस्कृतिक आत्मा की अद्वितीय अभिव्यक्ति है। यह केवल चित्रांकन की शैली नहीं, बल्कि कथा, संगीत और आस्था का समवेत रूप है। इसे जीवित रखना केवल कलाकारों या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का सांस्कृतिक कर्तव्य है। यदि इसे उचित संरक्षण, प्रचार और सम्मान मिला, तो यह परंपरा आने वाले समय में न केवल जीवित रहेगी, बल्कि और भी अधिक समृद्ध और प्राभावशाली बनकर उभरेगी।

–अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

“एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य” की थीम पर मनाया जायेगा योग दिवस

बूंदी । 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर 21 जून को पूरे विश्व में उत्साह के साथ मनाया जायेगा। बूंदी में सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों,ब्लाक मुख्यालयों – जिला मुख्यालय पर 21 जून को योग

योग दिवस आयोजन को लेकर क्रियान्वयन समिति की बैठक आज

प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जायेगा। अधिकारी आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ. मालती पारीक ने बताया कि बूंदी जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के लिए सोमवार 26 मई को दोपहर 12 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक का आयोजन होगा, जिसमें सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, योग व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन में आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने और



11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर 21 जून को मनाया जायेगा। जिसकी बूंदी में तैयारियां शुरु कर दी है।

नियमित योगाभ्यास द्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के लिए खेल संकुल में 30 दिवसीय काउंटडाउन शिविर आयोजित किया जा रहा है। योग फोर निरोगी बूंदी स्वास्थ्य महाभियान के समन्वयक डॉ. सुनील कुशवाह ने बताया कि 20 जून तक निरंतर चलने

वाले इस काउंटडाउन शिविर में योग चिकित्सकों के निर्देशन में योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रातः 6 बजे से 8 बजे योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास कराया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं।इस शिविर में डॉ सुनील कुशवाह, योग – प्राकृतिक

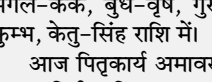
चिकित्सा अधिकारी डॉ विमला परमार, योग प्रशिक्षक दीपक गुर्जर, भूपेन्द्र योगी, चांदनी वर्यानी, शक्ति तोषनीवाल, शिखर पंचौली, सरला कुशवाह, पूजा खत्री, प्रश्रु सिंह गहलोत, मनीष गुर्जर, नीरज गुर्जर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वृद्धाश्रम में छात्राओं ने श्रमदान किया

भरतपुर (निस)। सेठ हजारी लाल मंहगाया सेवा संस्थान आनन्दधाम वृद्धाश्रम मथुरा रोड भरतपुर पर प्रीतम कौर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किला भरतपुर द्वारा आनन्द धाम वृद्धाश्रम में छात्राओं ने श्रमदान किया। यह कार्य छात्राओं ने अपने ग्रीष्मकालीन अवकाश समाज सेवा शिविर की गतिविधियों के अंतर्गत किया। यह शिविर राजस्थान सरकार द्वारा सभी सरकारी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से चलाया जाता है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा समाज सेवा के बारे में जानकारी दी जाती है। आश्रम में आकार छात्राओं ने आश्रम की साफ सफाई की व वृद्धजनों के साथ बैठकर चर्चा की। वृद्धाश्रम में मुकेश माली, जितेंद्र सैनी आदि कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम सुना। बूथ संख्या 140 पर मुकेश कुशवाहा के नेतृत्व में कार्यक्रम को सुना।बूथ संख्या 148 मंडल महामंत्री तेजेंद्र सिंह जादौन के नेतृत्व में कार्यक्रम को सुना और देखा।



पंडित अनिल शर्मा



पंडित अनिल शर्मा, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।
आज पितृका अमावस्या, बड़ पूजन अमावस्या, शनि जयन्ती, फल हारिणी कलिका पूजन है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:01 से 10:42 तक, चर 2:05 से 3:46 तक, लाभ अमृत 3:46 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09

जेल में चल रहे एस.टी.डी. बूथ से फोन कर जेल में कैदियों ने बनाया अध्यासी का प्लान

इलाज के बहाने जेल से निकल होटल पहुंचे कैदी, चार कैदी और चार पुलिसकर्मी हिरासत में

जयपुर। सेंट्रल जेल में बंद चार बदमाशों को जेल प्रशासन, डॉक्टर, पुलिस ने मिल कर इलाज के नाम पर जेल से बाहर किया। इसके बाद चारों अपनी-अपनी गलफ़्रीड को लेकर जयपुर के दो होटलों में पहुंच गए। मामला सामने आने के बाद जयपुर पुलिस ने चार कैदियों और चार पुलिसकर्मीयों को हिरासत में लिया है। मामले में जेल के डॉक्टर और अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है। इस पूरे प्लान को जेल में चल रहे एसटीडी बूथ के माध्यम से फोन कर तैयार किया गया। कैदी अय्याशी करने के लिए जेल से निकले थे। पुलिस अब इस मामले में कैदियों और पुलिसकर्मीयों के बीच लेने के मामले की जांच कर रही है। इस पूरे प्रकरण को लेकर जातपुरा और एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

गौरतलब है कि जयपुर सेंट्रल जेल

में बंद रफीक, भंवर, अंकित, करण और जोगेंद्र अलग-अलग अपराध में बंद हैं। शनिवार सुबह बीमारी का हवाला देकर जेल सभी पांच बदमाश अस्पताल पहुंचे। वहां तैनात डॉक्टर कैलाश ने इन सभी को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। जेल अधीक्षक को इसकी सूचना दी गई थी। पुलिस लाइन से आए गाई इन कैदियों को लेकर एसएमएस अस्पताल पहुंचे। यहां पची कटवाने के लिए कैदी जोगेंद्र को एक हेड कांस्टेबल और सिपाही वापस जेल ले गए जबकि बाकी चार बंदी रफीक,भंवर, अंकित और करण दो सिपाहियों के साथ मिलीभगत कर जयपुर के सिंधी कैप और एयरपोर्ट के पास स्थित होटलों में पहुंच गए। जहां पहले से उनकी महिला मित्र होटलों में मौजूद थीं।

जांच में सामने आया कि कैदियों ने जेल में लगी एसटीडी सुविधा के जरिए

■ महिला मित्रों के साथ आपत्तिजनक हालत में थे कैदी, सीएसटी टीम ने पकड़ा

अपने परिचितों और परिजनों से बातचीत कर इस पूरी साजिश को अंजाम दिया। अस्पताल पहुंचने पर उनके अन्य साथी भी वहां मौजूद थे। जो उन्हें होटलों तक ले गए। इस पूरे खेल में पुलिसकर्मीयों को लालच देकर शामिल किया गया। कैदियों ने पहले से ही होटलों में मुलाकात की योजना बना ली थी, जिसमें जेल के डॉक्टर और कुछ पुलिसकर्मीयों की संलिप्तता थी। बिना डॉक्टर की एडवाइस के किसी भी कैदी को जेल से रेफर नहीं किया जा सकता। डॉक्टर जिन कैदियों का रेफर बनाता है, एक बार जेल अधीक्षक उन कैदियों से मिलता है। ऐसे

में यह चूक होना इस बात को बता रहा है कि जयपुर जेल में इतनी अधिक अनियमितता मिलने के बाद भी ये लोग सुधर नहीं रहे हैं। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को इस घटना को जानकारी जेल के सूत्रों से मिली। जिस के बाद चालानी पुलिसकर्मीयों की लोकेशन निकाली गई। जिस पर एयरपोर्ट और सिंधी कैम्प थाना इलाके से चारों बदमाशों और चार पुलिसकर्मीयों को डिटैन कर थाने लाया गया। जिस के बाद जयपुर पुलिस ने दोनों थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज कराई। चारों युवकों और चारों पुलिसकर्मीयों से पूछताछ की जा रही है कि वह कैसे और किस तरह से यहां तक पहुंचे उनकी इस प्रकरण में किस तस्ल ने मदद की? पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या अन्य बंदी व जेल कर्मचारी भी इस तरह की

गतिविधियों में शामिल है। बताया जा रहा है कि कैदियों ने जेल के उच्च प्रशासन और डॉक्टर से मिलीभगत कर एक महीने पहले पची कटाई थी। इसमें एलजी होना बताया था। इस पची से ही जेल के डॉक्टर ने बंदियों को एसएमएस रेफर किया था। आरोपी बदमाश अंकित जीएसटी चोरी के मामले में जेल में 1 साल से बंद है। पहले भी एसएमएस हॉस्पिटल में अंकित अपनी गलफ़्रीड से मिल चुका है। अंकित के भाई को पुलिस ने 45 हजार रुपए के साथ होटल बेला कासा (एयरपोर्ट थाना) में पकड़ा। यहां से दोनों कैदियों के आईडी कार्ड मिले। दूसरा आरोपी करण जमीन की धोखाधड़ी के मामले में नवंबर 2024 से जेल में बंद है। रफीक उर्फ बकरी हत्या के मामले में जेल में बंद है। वहीं कैदी भंवर रेप के मामले में जेल में बंद है।

राजस्थान में कोरोना की धीमी दस्तक

जयपुर। राजस्थान में कोरोना संक्रमण की धीमी लेकिन चिंताजनक वापसी हो रही है। रविवार को राज्य में कोरोना के तीन नए मामले सामने आए हैं। जिसमें से जोधपुर एम्स, उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज और जयपुर के इटर्नल हॉस्पिटल में एक-एक संक्रमित मरीज की पुष्टि हुई है।

जानकारी के अनुसार इन सभी मामलों में सबसे अधिक चिंता का विषय डीडवाना के नागौरा का है, जहां सिर्फ दो महीने का एक शिशु को गंभीर हालत में एम्स जोधपुर के एनआईसीयू में भर्ती किया गया है। हालांकि मासूम को हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके अलावा उदयपुर के 27 वर्षीय युवक और अजमेर के केकडी कस्बे की सुभाष कॉलोनी के 68 वर्षीय बुजुर्ग में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है।

कोरोना के कहर पर लगी लगाम के बाद वर्ष 2025 की शुरुआत शुरुआत से अब तक कुल 15 कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि अब तक किसी की मौत नहीं हुई है। संक्रमण के मामले राज्य के

- दो महीने का मासूम भी चपेट में
- 2025 में अब तक कोरोना के 15 नए केस

विभिन्न जिलों से दर्ज हुए हैं। जिसमें से फलीदी, बीकानेर, सर्वाईमाधोपुर से एक-एक, कुचामन, अजमेर, जोधपुर से दो-दो, जयपुर और उदयपुर से तीन-तीन मामलों सामने आ चुके हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण की संख्या कम है, लेकिन मामलों की भौगोलिक फैलावट और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग में संक्रमण के कारण सतर्कता बेहद जरूरी है। सरकार ने फिलहाल किसी तरह की नई पाबंदी लागू नहीं की है, लेकिन अस्पतालों में अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी जा रही है।

नौतपा शुरु : भट्ठी सा तपेगा प्रदेश, आठ जून तक रहेगी तपिश

जयपुर। प्रचंड गर्मी का दौर नौतपा रविवार से शुरू हो गया है। है। नौतपा में सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में रहेगा। इसलिए चिलचिलाती धूप और लू का असर ज्यादा रहने की आशंका जताई जा रही है। नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहेगा, लेकिन तपिश 8 जून तक रहेगी, क्योंकि सूर्यदेव 8 जून तक रोहिणी नक्षत्र में रहेगा। इसलिए इस बार गर्मी ज्यादा सताएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है। सुबह करीब 9.30 बजे सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा। इस समय सौभाग्य और आनंद योग भी रहेगा। सूर्य 8 जून की सुबह तक

रोहिणी नक्षत्र में रहेगा। इसलिए नौतपा के बाद के छह दिन भी तेज गर्मी पड़ने की आशंका है। सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर आ जाता है। जून में यह कर्क रेखा के पास पहुंचता है। इस दौरान सूर्य 90 डिग्री पर होता है। इससे उसकी किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं। तापमान तेजी से बढ़ता है। इस बार संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों सूर्य हैं। इससे भी गर्मी ज्यादा रहने के संकेत हैं। मंगल और राहु का मीन राशि में गोचर होने से बादल छाने की संभावना भी बनी रहेगी। 2 जून तक तेज गर्मी के साथ अंधड़ और शाम में बारिश हो सकती है।

किसान हितैषी नीतियों पर प्रदेश में किया जाएगा काम : अवाना

जयपुर। जयपुर के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल राजस्थान का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह अवाना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें अवाना ने पार्टी की नीति एवं संगठन के विस्तार जैसे मुद्दों पर रणनीति पर चर्चा की। इसी दौरान अवाना ने सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए जोशीले अंदाज में कहा कि हमें एकजुट होकर पार्टी को प्रदेश में मजबूत करना है और तीसरी बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अवाना ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के ग्रामीण विकास एवं सामाजिक विकास की दूरगामी नीति को प्रदेश के हर कोने में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा साथ ही अवाना ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी का कार्यकर्ता मजबूती के साथ पार्टी हित में निरंतर काम करता हुआ प्रदेश से लेकर बृथ स्तर तक नजर आएगा तथा आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज के चुनावों में महत्वपूर्ण सहभागिता के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभायेगा। इसी दौरान अवाना ने घोषणा करते हुए कहा कि आने वाली 29 मई को प्रदेश की राजधानी जयपुर में पिके सिटी प्रेस क्लब में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि को सामाजिक न्याय एवं समरसता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

जयपुर। अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाने वाली 20 महिलाओं का आजाद फाउंडेशन ने सम्मान किया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरूकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

- कम उम्र में विवाह रोकने वाली 5 किशोरियां भी सम्मानित

रविवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने जीवन में बदलाव की यात्रा का उत्सव मनाने के लिए किशोरी उत्सव एवं परवाज नारीवादी दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन समाज में किशोरियों और महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परवाज नारीवादी नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर की 20 महिलाओं को एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया गया, जिन्होंने अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ा और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाए। इन महिलाओं को परवाज नारीवादी नेतृत्व प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार पाने वाली नलिनी

देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है : राज्यवर्धन सिंह राठौड़



जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक रविवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। इस यात्रा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

जयपुर। भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और वीरता को सम्मान देने के उद्देश्य से रविवार को जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व राजस्थान के सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। यह तिरंगा यात्रा देश की सुरक्षा में जुटे वीर जवानों और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी सशस्त्र बलों को समर्पित थी। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियाँ, उनके परिजन एवं युवाओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को हाथों में लेकर 'भारत माता

की जय' और 'वीर जवान अमर रहे' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि हमें गर्व है कि हमारे देश के सैनिक सीमाओं पर अडिग रहकर देश की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी पूर्व सैनिक, उनके परिजन एवं युवाओं महिलाओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है। जो राठ को मजबूत करने में योगदान देता है। कर्नल राठौड़ ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और देश के सैनिकों को आतंकवाद खत्म करने की स्वतंत्रता देने के लिए भी धन्यवाद

ज्ञापित किया। इसी के साथ उन्होंने सेना के जज्बे को भी सलाम किया। इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़ ने भी यात्रा में भाग लेकर सभी का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के अदम्य साहस और त्याग को श्रद्धांजलि देने का प्रतीक है।

इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करना, शहीदों के बलिदान को याद करना और समाज को एकजुट कर देश के प्रति समर्पण की भावना को प्रबल करना था। यात्रा का समापन चित्रकूट स्टेडियम में राष्ट्रगान के साथ हुआ।

गोस्वामी अंजन कुमार गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत

जयपुर। शहर के अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय ने गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत के रूप में मृतक प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी के स्थान पर गोस्वामी अंजन कुमार का नाम अंकित करने को कहा है। अदालत ने यह आदेश गोस्वामी अंजन कुमार के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

पीठासीन अधिकारी नीलम कर्वा ने मामले में अंजन कुमार और ब्रिगेडियर सर्वाई भवानी सिंह की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि सेवारत महंतों के उत्तराधिकार को ज्येष्ठाधिकार रीति से ही नियुक्त किया जाता है। वहीं राजस्थान लोक न्यास अधिनियम के प्रावधानों के तहत अंजन कुमार ही ज्येष्ठाधिकार के उत्तराधिकार का तरीका होने के आधार पर एकल कार्यवाहक प्रन्यासी नियुक्त होने का अधिकारी है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता सुरुचि

कासलीवाल ने अदालत को बताया कि

सहायक देवस्थान आयुक्त ने सितंबर,

1972 को निर्णित किया कि ठिकाना

मंदिर गोविन्द देवजी एक सार्वजनिक

प्रन्यास है और उसके कार्यवाहक

प्रन्यासी प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी है।

कार्यवाहक प्रन्यासी के उत्तराधिकार का

तरीका ज्येष्ठाधिकार है। इस आदेश के खिलाफ एक अपील देवस्थान आयुक्त के समक्ष पेश की। आयुक्त ने फरवरी, 1977 को अपील का निस्तारण कर दिया। इसके तहत प्रार्थी के पिता को एकल कार्यवाहक प्रन्यासी माना गया। वहीं दिसंबर, 1977 में उनका निधन हो गया। ऐसे में प्रार्थी ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण मंदिर का एक मात्र सेवायत महंत है। पिता की मौत होने पर प्रार्थी ने अपने आप को एकल प्रन्यासी घोषित करने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। सहायक देव स्थान आयुक्त ने प्रार्थना पत्र के खिलाफ पेश आपत्तियों को तय करते हुए साल 1999 में प्रार्थी के पक्ष में फैसला दिया और यह भी निर्देश दिया गया कि नवीन कार्यवाहक प्रन्यासी की नियुक्ति के लिए तीस दिन में जिला अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया जाए। अतः अंजन कुमार ने दिसंबर, 1999 में प्रार्थना पत्र पेश कर प्रद्युम्न कुमार के स्थान पर उसका नाम अंकित करने की गुहार की। वहीं इस प्रार्थना पत्र का उसके भाई ओधेश कुमार व अनुज कुमार के साथ ही ब्रिगेडियर सर्वाई भवानी सिंह ने विरोध किया। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थी का नाम एकल सेवारत महंत के रूप में अंकित करने को कहा है।

128 लोगों ने एक साथ किया “गिवअप”

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई और त्वरित समाधान के लिए जयपुर जिले में नियमित जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में कालवाड़ तहसील की बेगस ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर की अपील पर 128 लोगों ने गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाने की सहमति दी एवं 30 से अधिक लोगों ने पीएम सूर्यवर बिजली योजना का लाभ लेने का संकल्प लिया।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। रात्रि चौपाल में प्रमुख रूप से पेयजल, विद्युत, सड़क, चिकित्सा, पेंशन, पट्टे, राजस्व रिकॉर्ड शुद्धि, अतिक्रमण, रमशान एवं खेल मंदिर हेतु भूमि आवंटन से संबंधित परिवार प्राप्त हुए जिनमें से अधिकतर परिवारों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों अधिकारियों को शेष परिवारों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

पांच हजार महिलाओं को जोड़ दिया सरकारी योजनाओं से



इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने रविवार को ऐसी 20 महिलाओं का सम्मान किया।

फाउंडेशन की किशोरियों ने नुककड़ नाटक की प्रस्तुति दी। सभी किशोरियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरूकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

आजाद फाउंडेशन के नेशनल लीड श्रीनिवास ने बताया कि आजाद महिलाओं को गैर परंपरागत रोजगार से जोड़ने का काम करती हैं। आज आजाद

ली हुई महिलाएं बस, टुक और ट्रेलर चला रही हैं। कुछ महिलाएं यूरोप में डाइवर के रूप में काम कर रही हैं। लगभग 2 लाख रुपए महीना कमा रही हैं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में भी 100 से अधिक महिला ड्राइवर्स हैं। हम राजस्थान सरकार के साथ एक वृहत ऐसी पार्टनरशिप चाहते हैं, ताकि राजस्थान की महिलाएं भी ट्रांसपोर्ट सेक्टर में काम कर रोजगार कमाएं और आर्थिक रूप से सशक्त हों।

आजाद फाउंडेशन के राजस्थान प्रभारी हरि शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा

जयपुर में अभी तक 3000 से अधिक किशोरियों को सहयोग किया है, जिन्होंने अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण की है। अपने परिवार की एक मुख्य सदस्य के रूप में पहचान बनाई है। आजाद फाउंडेशन के इस प्रयास से न केवल किशोरियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास भी प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरियों, महिलाओं और अन्य स्वयंसेवी संगठनों ने शिरकत की।

#STAGE

Of Sultana & Son Machariya

Rama Pandey inspires audience all over again!



Sadhana Garg
Journalist & Social Entrepreneur

After 75 years of Independence, if we in our country, still debate over women's rights, it is indeed a marker of how we as a society run in circles! That women need to have power over themselves is a distant cry, in case you think it is a grossly exaggerated statement, take a look at Sultana.

Recently, a play 'Sultana', written, produced and directed by Rama Pandey, was held at RIC. Says Rama Pandey, "This is a true story of a girl born in the rangrez family of Kho Nagauriya, a small tehsil that was supposedly founded 2500 years ago. Famous for its historical sites and waterfalls to date, it remains one of the most neglected places, even though it promises to be a great tourist destination. But of that another day!

However, coming back to the play, Sultana, a 15-year-old girl, who masters the art of dying at a very young age, is famous for her craft. After the death of a older sister, she is being forced to marry her brother-in-law not only by the self-serving male chauvinist but her own parents' too! If all life is a theatre, then it is equally true that all the ater imitates real life. When her sister delivered a baby, Sultana is forced to take up the role of a caregiver. Sacrificing her skill of a dyer that had earned her fame far and wide. And now when her sister dies, the male sense of entitlement and exploitation is accepted by all.

Sultana, like every other woman, puts up a fight but faces the risk of succumbing to her dismal fate. It is only when a teacher, herself a child widow 'Uma bhenji', steps in that things begin to look different. Having been a victim of arbitrary deprivation of liberty, forced to have spent her life wearing white and subject to lifelong lower status in society, she now reacts to the profit motive of the former.

Pandey, as majority of audience feels, raises questions and leads them to think what they should aspire for.

Over-dramatic as her presentations are, this one is no different. It is presented in the Rajasthani age-old oral style of storytelling by the Nut and the Nutni, the heritage community of performers.

Son Machhariya, written by well-known writer, Vikas Jha, was enacted second day. Directed by Pandey, the play is not only to entertain but a psychological Brahmos that is meant to rattle the system. It is dedicated to the Koli community of Maharashtra, and the Mithila and Bhojpuri's sea faring traditional communities. Through the woman protagonist, it highlighted the crucial role in small-scale fishing played by women.

Urbanization, on one hand, and mechanisation of fisheries, on the other, undermines the food, security and livelihood of these traditional communities. Adding insult to injury is the government policies of farming out fisheries to big time contractors, which further threatens the subsistence of age-old aquaculture. The high-voltage melodrama centered round a fisherwoman, who not only faces defamation by fellow women and verbal abuse, but also male coercion, once her partner is implicated falsely and put behind bars.

The verbal abuse and psychological 3rd degree treatment may seem mundane in interpersonal relations in families, in particular, and society at large, but it certainly has a demensning and unfavourable effect on the victim more often than not a woman, as is the case in Son Machariya. The play drew attention to the gender-based violence which is accepted as a normal societal practice.

To Pandey goes the credit of tirelessly telling her audience that a woman in shakles facing discrimination anywhere is limiting for all women everywhere.

The play also focused on the conflict between traditional communities and the vested interests of other stakeholders. The Marine biodiversity is not only destroyed due to overfishing by the contractors but the entire timeless aquatic ecosystem, that for centuries, sustained the coastal village communities and is held hostage to the profit motive of the former.

If the role of a playwright is to raise questions, then Pandey does full justice to it. Also, if theatre is a spiritual and social event, then we could not have had a clearer picture as the one presented by Sultana and Son Machariya.

SABRE SLAYERS OF THE 1965

#THE KEELOR BROTHERS



In the illustrious history of the Indian Air Force (IAF), there are many stories of valour and sacrifice in times of war and peace. One such fabled story is about two Anglo-Indian brothers, born and raised in Lucknow, who wrote their names in letters of gold in the annals of the IAF during the 22 day war with Pakistan in September 1965. They were Squadron Leaders Denzil Keelor and his younger brother Trevor Keelor.

Denzil was born on 07 December, 1933 and Trevor on 08 December, 1934. Their parents were Charles and Isobel Keelor of Lucknow, UP. Charles Keelor was the Headmaster at St Francis College, which was a high school. The brothers initially studied at St Francis College and later at La Martiniere College at Lucknow. Apart from being good students, they were good sportsmen as well excelling in boxing, athletics and hockey. They grew up reading tales of daring fighter pilots shooting down German bombers over London and other theaters during the second world war. They wanted to pursue a flying career and thus developed an abiding ambition to serve in the Indian Air Force as fighter pilots. When they had the required qualifications, they joined the 64th Pilots Course and were commissioned as Pilot Officers in the fighter stream on 06 November, 1954. The Pilot Officer rank no longer exists in the Indian Air Force (IAF).

During those years, the British de Havilland Vampire was a frontline fighter and all newly commissioned pilots were posted to these squadrons. Later, Denzil went to No 4 squadron equipped with the French MD 400 Ouragan, and in 1962 was selected to go to the erstwhile Soviet Union to be trained to fly the supersonic Mig-21. Unfortunately, the Soviet doctors did not find him medically fit to fly, which at that time, was one of the fastest aircraft in the world. He returned to No 4 Squadron. Later, he moved to No 9 Squadron at Ambala which was equipped with the diminutive and nimble Folland Gnat. The Commanding Officer of No 9 Squadron was Wing Commander RJM Upot and the Squadron Leader was Trevor Keelor.

Trevor Keelor first flew Vampires, and later, the Hawker Hunter 56, one of the latest entrants in the IAF inventory. In 1965, he was also flying the Gnat with No 23 Squadron at Ambala. The Commanding Officer of No 23 Squadron was Wing Commander S Raghavendran and the Squadron Leader was a Vayu Sena Medal (VM) for awarding a Gnat after it had lost engine power.

In the run up to the September 1965 war, No 9 Squadron was moved to the Halwara airbase near Ludhiana, which was closer to the western border with Pakistan. A detachment of eight Gnats from No

23 Squadron was deployed at Pathankot on 02 September, which was only 15 miles from the border. Squadron Leader Trevor Keelor was one of the Gnat pilots in the detachment. It was this base which first saw action when the Pakistan Army started a land offensive across the international border in the Chamb-Jaurian sector, north west of Jammu, at dawn on 01 September, 1965.

Pakistan called this offensive Operation Grand Slam because its strategic aim was to take over the state of Jammu & Kashmir by the force of arms. The strategic aim of the Indian armed forces was to prevent this from happening. The victor in any conflict is the side which achieves its strategic aim. Since the state of Jammu & Kashmir is still part of the Indian Union today, it should be abundantly clear to everyone that India won this war. Pakistani propaganda that the war was a stalemate forgets this basic fact.

The enemy's objective was to seize the vital bridge over the Chenab at Akhnour; cut the road link to the valley and make it very difficult to supply the Indian army stationed further north. There, being no other road link to the Kashmir valley at that time, all personnel, every bit of equipment and ammunition would have had to be flown into the valley to sustain land operations to the west and north of Srinagar. The transport aircraft fleet of the Indian Air Force would have found it extremely difficult to meet this demand due to paucity of resources.

The IAF was pressed into action on 01 September, 1965 when the hastily prepared defences of the Indian army started to crumble under the fierce onslaught of the Pakistan army, whose infantry was backed by adequate resources of artillery and tanks. A desperate Chief of the Army Staff (COAS) General JN Chaudhary requested the Defence Minister Shri YB Chawan to order the Chief of the Air Staff (CAS), Air Marshal Arjan Singh, to provide close air support to the beleaguered army at Chamb. Within 30 minutes of the order from Delhi, being received at Pathankot at 5 pm, 12 x Vampire 52 fighter bombers of No 45 Squadron, each armed with 8 x T-10 rockets, were launched in three formations of four aircraft each. These formations were followed by 15 Mystere IVA aircraft of Nos 3 and 31 Squadrons, each armed with 36 x 68 mm SNEB rockets. The first Vampire formation, led by the Commanding Officer Squadron Leader SK Dahar, attacked tanks close to the forward line of our own troops and three aircraft returned to Pathankot. The fourth Vampire, flown by Flight Lieutenant S. Bharadwaj, appears to have been shot down by ground fire and the pilot was killed.

The second wave of four Vampires led by Flight Lieutenant A Bhagwagar was not so lucky. They were intercepted by three Pakistani F-86 Sabres led by Squadron Leader Sarfaraz Rafiqi and three aircraft were shot down. Flight Lieutenants A Bhagwagar and VM Joshi were killed in action while the third pilot, Flight Lieutenant SV Phatak managed to bale out and return to Indian lines. The fourth Vampire flown by Flight Lieutenant WM Sondhi returned to base. The third formation of four Vampires, led by Squadron Leader FJ Mehta, did not see any action on

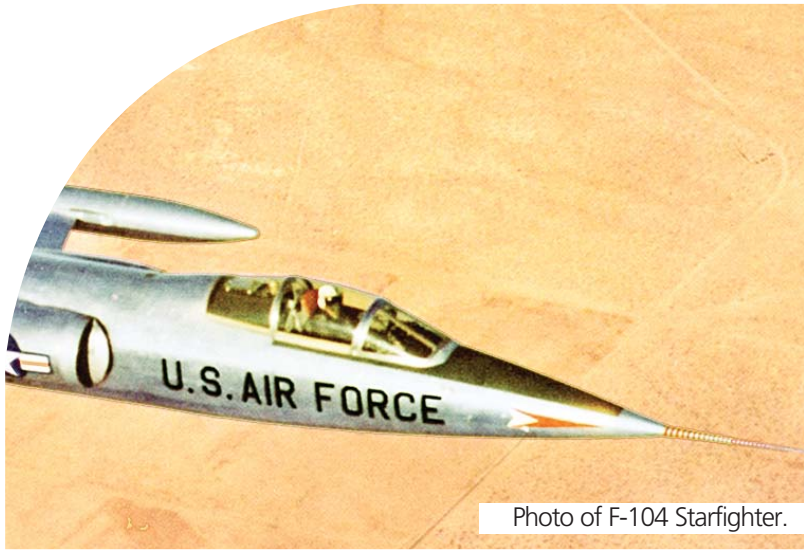
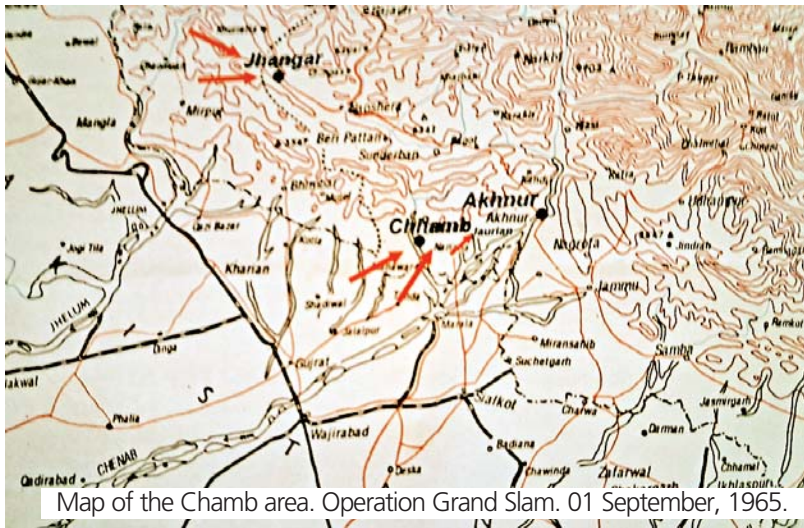


Photo of F-104 Starfighter.



A good photo of the Gnat showing its small size.

The IAF was pressed into action on 01 September, 1965 when the hastily prepared defences of the Indian army started to crumble under the fierce onslaught of the Pakistan army, whose infantry was backed by adequate resources of artillery and tanks. A desperate Chief of the Army Staff requested the Defence Minister to order the Chief of the Air Staff to provide close air support.

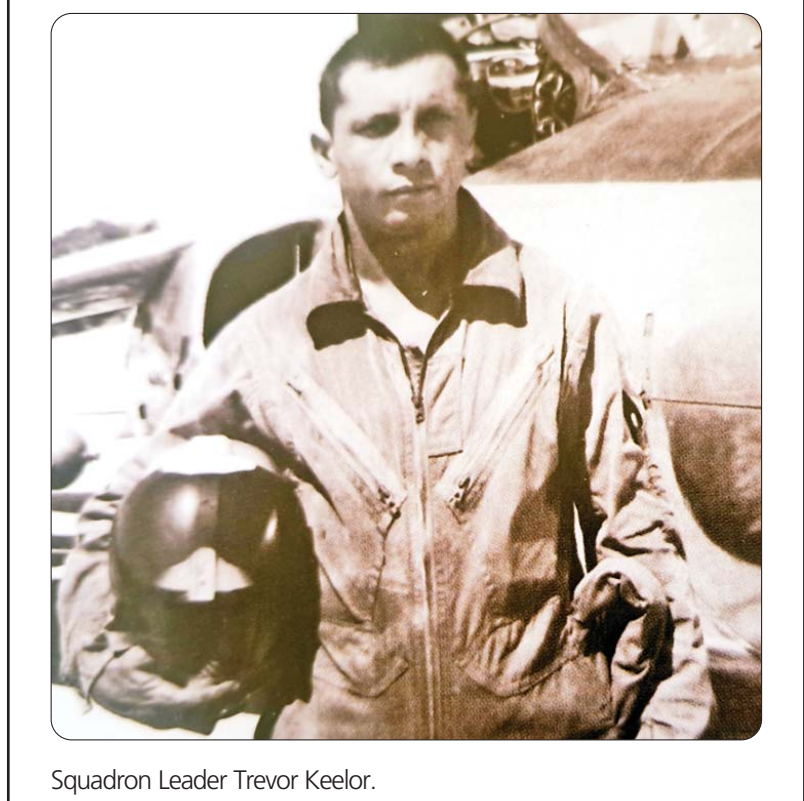
the ground and returned to base without expending their rockets. All the 15 Mysteres returned safely to base. The loss of four Vampires and three experienced pilots was a severe blow to the morale of all personnel at Pathankot. The mood was sombre in the Officers' Mess that evening. The IAF was now thirsting for blood. There was not much air action on both sides on 02 September, 1965. The eight Gnats from Ambala, under the command of Squadron

Leader BS Sikand, landed at Pathankot around 4 pm.

The next day, 03 September, 1965 was a momentous day in the history of the IAF as that was the day the IAF scored its first air-to-air kill in independent India. The plan was to lure the Pak Sabres into air combat as the Gnat pilots were quite confident of taking on the adversary. Two Mysteres from No 31 Squadron, flown by the Commanding Officer Wing Commander Jim Goodman and



Sqn Ldr Denzil Keelor.



Squadron Leader Trevor Keelor.

Flying Officer TS Sethi, were to fly at around 1500 feet to Chamb under the control of the No 230 Signals Unit radar at Amritsar. Eight Gnats, split into two formations of four, were to fly in at 300 feet so as to be invisible to the Pakistan radar at Sakesar until the Mysteres were warned by Amritsar radar of approaching enemy aircraft. Then, the Gnats would zoom up to engage them while the two Mysteres would dive down and return to base. It was to be a classic sandwich ambush.

The first Gnat formation of four aircraft was led by Squadron Leader Johnny Greene and the second four by Squadron Leader BS Sikand. All ten aircraft got airborne at 7 am. The Mysteres approached Chamb flying at 1500 feet above ground and maintaining 300 knots (a knot is one nautical mile = 1.85 km). This was done

Indulge in Sweetness: Blueberry Cheesecake Day

celebrated every year on May 26, Blueberry Cheesecake Day is a delicious tribute to one of the most beloved desserts around the world. This creamy, tangy, and fruity delight combines the richness of cheesecake with the refreshing burst of blueberries, often layered, swirled, or topped generously. Whether baked or not baked, this dessert offers a perfect balance of flavors and textures. It's a great excuse to visit your favorite bakery, try a new recipe at home, or simply savor a slice with loved ones. So, grab a fork and treat yourself, because life's too short to skip cheesecake!

The first Gnat formation of four aircraft was led by Squadron Leader Johnny Greene and the second four by Squadron Leader BS Sikand. All ten aircraft got airborne at 7 am. The Mysteres approached Chamb flying at 1500 feet above ground and maintaining 300 knots (a knot is one nautical mile = 1.85 km). This was done deliberately to simulate the speed of a Vampire and lure the Sabres into a fight. The Pak radar picked up the tracks and scrambled a large force of four Sabres and two F-104 Starfighters to intercept what they thought were two Vampires. Amritsar radar picked up this Pak formation and ordered the two Mysteres to return to base. Under instructions from Amritsar radar, the lead Gnat formation zoomed up to meet the incoming Sabres and Trevor Keelor followed with his four Gnats 3000 yards behind. As expected, the Sabres spotted Jhohnny Greene's Gnats and started to turn inside them to get a shot at one of them. The unsuspecting Sabres did not spot Trevor's four and flew right in between the two Gnat formations. The planned sandwich was achieved. One Sabre lagged behind in the turn and flew into Trevor's sights and was shot down by cannon fire from his Gnat. The fast moving engagement between the eight Gnats and six Pak aircraft barely lasted two minutes before the Gnats were forced to withdraw due to low fuel. The Pak aircraft also disengaged probably for the same reason.



Painting of Trevor Keelor's Sabre Kill on 03 September, 1965.



Gnat – The IAF's Small "Sabre Slayer" (Photo shows two pilots running towards their aircraft for a scramble). This is to quickly counter intruding aircraft detected by radar.



Photo of the F-86 Sabre fighter.

On reaching the target area, the Mystere formation pulled up from low level to deliver their rockets at the gun positions. The Mysteres were ordered to exit the area after delivering their load. At that moment, Mayadev reported four Sabres circling above and Denzil threw in a climbing turn to engage them.

into Trevor's sights and was shot down by cannon fire from his Gnat. The fast moving engagement between the eight Gnats and six Pak aircraft barely lasted two minutes before the Gnats were forced to withdraw due to low fuel. The Pak aircraft also disengaged probably for the same reason.

When news of the first Sabre kill of the IAF reached Air Headquarters, the Chief of the Air Staff, Air Marshal Arjan Singh, first informed the Defence Minister

Shri YB Chawan and then sent a congratulatory message to Pathankot. It was read out to all pilots in the crew room by the Station Commander, Group Captain Roshan Suri. Downing of the Sabre and the message from the Chief Of the Air Staff sent pilot morale soaring. The next day, the President awarded the Vir Chakra to Squadron Leader Trevor Keelor for displaying conspicuous gallantry in the face of the enemy. Unrelenting attacks on the Indian army at

Chamb made Prime Minister Lal Bahadur Shastri order the Indian army to start a land offensive across the international border in the Punjab to ease pressure at Chamb. At dawn on 06 Sep, 1965, the Indian army started offensive operations on the Amritsar, Lahore and Jammu-Sialkot axes. A third attack was launched at the Dera Baba Nanak bridge across the Ravi river in Punjab. As expected, the air war also heated up and other IAF bases at Adampur, Halwara, Ambala, Jodhpur and Jammargar, were drawn into the war. A detachment of eight Gnats from No 9 Squadron was positioned at Adampur for air defence and escort duties for ground attack missions by Mysteres as when the situation demanded it. The detachment was commanded by the Commanding Officer Wing Commander Reginald Upot. Squadron Leader Denzil Keelor was one of the eight pilots in this detachment.

On 19th September, 1965 at about 4.30 pm, four Mysteres from No 1 Squadron were ordered to attack Pakistan artillery positions at Chawinda, close to Sialkot where a furious tank battle was in progress. The Mysteres were provided with four Gnat escorts led by Squadron Leader Denzil Keelor. His wingman was Flying Officer Munna Rai. The deputy leader was Squadron Leader Vinay Kapila with Flight Lieutenant Vijay Mayadev as his wingman. All eight aircraft proceeded to the target area at very low level to avoid being picked up by enemy radar.

On reaching the target area, the Mystere formation pulled up from low level to deliver their rockets at the gun positions. The Mysteres were ordered to exit the area after delivering their load. At that moment, Mayadev reported four Sabres circling above and Denzil threw in a climbing turn to engage them. His wingman Munna Rai lost contact with his leader in this turn and was told to return to base. Kapila delayed his turn to trick the Sabres into a sandwich between the leading two Gnats and the trailing pair. On spotting the Gnats, the Sabres also turned in and flew into the sandwich exactly as planned. When one Sabre came within range, Kapila shot it down and formation members saw the aircraft hit the ground and explode. Meanwhile, Denzil also manoeuvred behind the leading pair of Sabres using the Gnats superior power to weight ratio and agility. Denzil closed in and shot a Sabre, which flew west into the setting sun, trailing a thick column of black smoke. It was later confirmed by intelligence sources that the Sabre had crashed short of the runway at its home base. Unfortunately, Mayadev was shot down by a Sabre. He ejected and became a POW. Both Denzil and Kapila were awarded the Vir Chakra (VrC).

The Keelor brothers continued their careers in the IAF. Trevor retired as a Wing Commander in 1978 after commanding No 18 Squadron equipped with Gnats. He passed away in 2002 at the age of 67 years. He will always be remembered as Wing Commander Trevor Keelor, VrC VM.

Denzil did a stint at the radar station at Barnala in Punjab and attended the Defence Services Staff College in Wellington, Tamil Nadu in 1968. During the December 1971 Indo-Pak war, Denzil's Mig-21 was

shot down by anti aircraft fire while on a ground attack mission in the Chamb sector. He ejected over Indian territory and survived. As a Wing Commander, he commanded No 4 Squadron equipped with Mig-21 aircraft.

On promotion to the rank of Group Captain, he assumed command of the prestigious Tactics and Combat Establishment (TACDE). During his time at TACDE, Denzil experienced a serious inflight emergency while flying a Mig-21. His canopy blew off at altitude, exposing him to a vicious blast of freezing cold air and hypoxia (lack of oxygen). Denzil, displaying exemplary determination and flying skills, brought about by years of experience in the cockpit, landed the aircraft safely back at base. For his act of courage and devotion to duty, Denzil was awarded the Kirti Chakra (KC), the second highest award given for gallantry in peacetime.

On promotion to the rank of Air Commodore, Denzil was given the onerous responsibility of inducting the modern Mirage 2000 aircraft into the Indian Air Force. He assumed command of Air Force Station at Gwalior and set about acquiring land to expand the base and setting up the necessary infrastructure to house the squadrons, maintenance facilities and housing for personnel. His drive and enthusiasm ensured smooth induction of, in the mid 1980s, the most modern aircraft in the IAF inventory.

The Mirage 2000 Squadrons became operational in a very short time, much to the delight of the IAF leadership at the time. For his devotion to duty, Denzil was awarded the Ati Vishisht Seva Medal (AVSM) by the President.

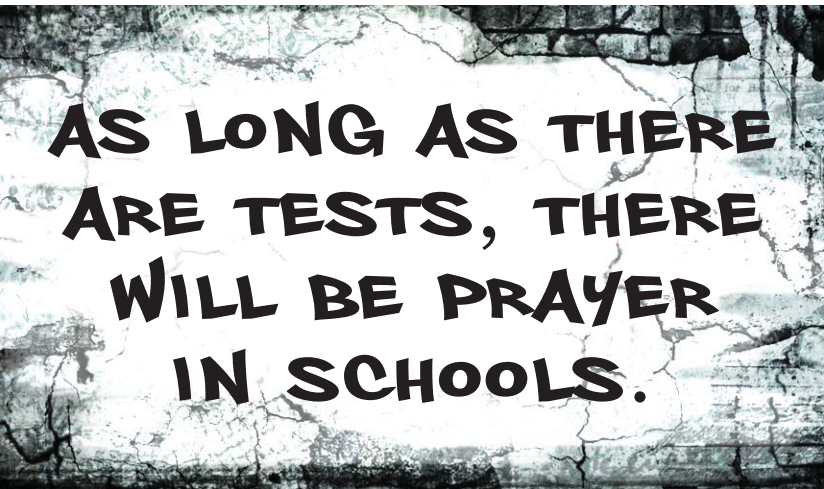
Continuing his ascent into the upper echelons of the IAF, Denzil was promoted to the rank of Air Vice Marshal and served as the Assistant Chief of the Air Staff (Operations) during the time of the Indian Peace Keeping Force operations in Sri Lanka. The operations were heavily dependent on transport and helicopter support by the IAF and Denzil ensured that all demands were met in time.

On promotion to the rank of Air Marshal, he was appointed the Inspector General of the IAF, the person responsible for ensuring operational readiness of units and flight safety. Before his retirement in December 1991, in recognition of his distinguished services of the most extraordinary order to the IAF and the nation, the President awarded him the Param Vishisht Seva Medal (PVSM), the highest award for services rendered in peacetime. He retired in 1992 as Air Marshal Denzil Keelor, PVSM KC AVSM VrC, which, by any yardstick, reflects a career of courage, devotion to duty and exemplary service to the nation. Air Marshal Denzil Keelor passed away in 2024 at the age of 90 years. Prime Minister Narendra Modi himself wrote a condolence letter to Mrs. Marie Keelor, lauding the services of her husband to the nation in both war and peace.

In the storied history of the Indian Air Force, the Keelor brothers will long be remembered as the Sabre Slayers of 1965. Their services to the Indian nation, in times of war and peace, can only be described as extraordinary devotion to duty and patriotism.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

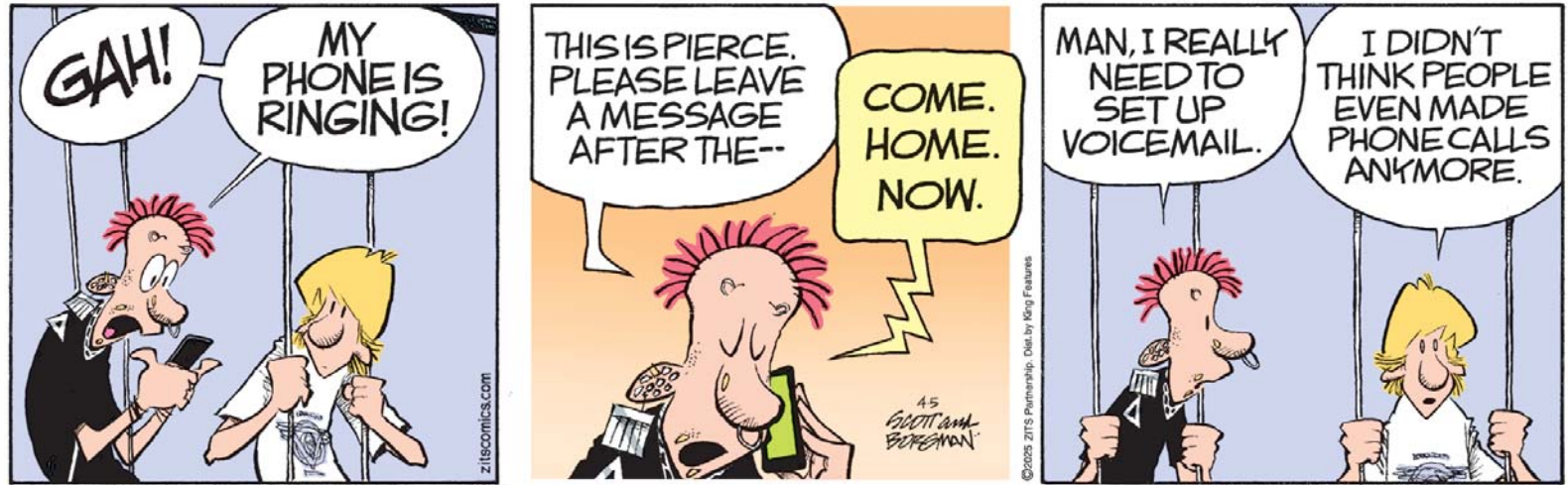


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

मारपीट में गंभीर घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे परिजन और ग्रामीण

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र के बिस्मी गांव के सुभाष को जयपुर के निजी में इलाज के दौरान मौत हो गई है। सुभाष की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू करते हुए नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने सहित मुआवजा और आश्रित को संविदा पर नौकरी की मांग की है।

धरने के बाद बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर पुलिस जान्ता भी तैनात किया गया है। मृतक सुभाष के परिजन सचिन ने बताया कि 16 मई की रात सुभाष बिस्मी से रोहिड़ा स्टैंड स्थित लांबा होटल गया था। वहां तिलोका का बास निवासी मुकेश जाट अपने 3-4 साथियों के साथ मौजूद था। किसी बात को लेकर सुभाष और मुकेश के बीच कहासुनी हो गई। सुभाष वहां से घर के लिए रवाना हो गया, लेकिन कुछ ही देर बाद मुकेश जाट और उसके साथियों ने पीछा कर रास्ते में रोककर सुभाष के साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल



सुभाष की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू किया।

सुभाष को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में जयपुर के सिडि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। नौ दिनों तक मौत से जुझने के बाद शनिवार को उसकी मौत

हो गई। घटना के बाद परिजनों ने मामला दर्ज करवाया था, लेकिन नौ दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आक्रोशित परिजनों और

ग्रामीणों ने बीडीके अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू करते हुए हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तारी करने, मृतक के परिवार को 50 लाख का मुआवजा

■ **नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने सहित मुआवजा और आश्रित को संविदा पर नौकरी देने की मांग की**

■ **नौ दिनों तक मौत से जुझने के बाद पीड़ित की मौत हो गई**

तथा आश्रित को संविदा पर नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक वे शव नहीं उठाएंगे। ग्रामीणों और परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जानबूझकर लापरवाही बरती है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की है। सोमवार को भी धरना जारी रहेगा।

भक्ति में लीन हुए बटुक एवं ग्रामीण

राजसमंद, । जिले में चारभुजा के निकटवर्ती कसार में चल रहे नवनिर्मित गुरुकुल वेद विद्यालय में 15 दिवसीय वैदिक ज्ञान संस्कार शिविर के तहत शनिवार रात्रि में सादडी मारवाड के श्री रामचरितमानस परिवार भक्त मंडली द्वारा संगीत मय वादन के साथ सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण के पाठ किए गए। जहां पर गुरुकुल में वेद ज्ञान अर्जित करने आए बटुक, गुरुजन सहित स्थानीय ग्रामीणों ने भक्त मंडली के साथ संगीतमय पाठ किया तथा आनंद लिया एवं भक्ति में लीन हुए। जहां बटुक अपने आप को रोक नहीं पाए तथा झुमने का लुप्त उठाया।

■ **संस्कार शिविर के दौरान सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया**

वेद विद्यालय गुरुकुल अध्यक्ष पंडित उमेश द्विवेदी एवं गुरुकुल महामंत्री पंडित जितेंद्र शर्मा ने बताया कि वेद विद्यालय पर प्रथम बार ही शिविर आयोजित हो रहा है। जहां ऐसी भूत-प्रेत बाधा, व्याधि, पीडा, काली एवं नकारात्मक शक्तियां दूर रहे एवं गुरुकुल सहित कस्बे के आसपास सकारात्मकता आए जहां सुंदरकांड,

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण पाठ भक्त मंडली द्वारा किए गए। साथ में गुरुकुल में वैदिक ज्ञान अर्जित कर रहे 35+ बटुको ने भी एक साथ सुंदरकांड का पाठ किया। जहां पूरा गुरुकुल ही नहीं वरन आसपास की जगह पूरी भक्ति मय हो गई। सुंदरकांड का पाठ रात्रि 9 बजे प्रारंभ हुआ जो 3 घंटे तक चला। जहां पाठ की समाप्ति के बाद रामलला व हनुमानजी की आरती भी उतारी गई। वहीं मारवाड सादडी से आए श्री रामचरितमानस परिवार भक्त मंडली द्वारा गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण कर रहे बटुकों को देखकर अभीभूत हुए।

आज निकालेंगे तिरंगा यात्रा

बांसवाड़ा । सेना के सम्मान में आज सोमवार को निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर नगर पालिका सभा कक्ष में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखा जोशी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें बताया गया कि प्रातः साढे आठ बजे शहीद भगत सिंह बस स्टैंड से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती निकलेगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र आहारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष लीला पडियार, पूर्व पालिका अध्यक्ष ललिता सोनी, नगर मंत्री निमला बाग, पूर्व पालिका अध्यक्ष राघवेश चरपोटा, प्रभारी जिनेंद्र सेटिया, शेख अस्मगर अली, शिवाजी मंच अध्यक्ष पंकज दोशी, राकेश कोठारी, कैपार समिति व चेतन बैरागी आदि मौजूद रहे।

सांचौर में बीस लाख की अवैध शराब बरामद, दो गाड़ी जब्त

■ **अवैध राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 83 कार्यवाही कॉर्टुन पाये गये**

अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबीर से प्राप्त ईतलानुसार सरहद कमालपुरा में कोशल होटल के पास स्थित शराब के ठेके के पीछे बाड़े में पहुंचे तो एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी दिखाई दी

जिसके पास एक व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया जो पुलिस जान्ता को देखकर बाड़े के पीछे की दीवार से फांदकर भाग गया, वाहन की तलाशी ली गई तो स्कॉर्पियो वाहन में अवैध राजस्थान निर्मित

अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 57 कॉर्टुन पाये गये जिनको जब्त किये जाकर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया है। वहीं दूसरी कार्यवाही में पुलिस मय जान्ता द्वारा दौरान गश्त सरहद लाछड़ी भारतमाला पुलिया पर पहुंचे तो एक सफेद रंग की फोरचुनर गाड़ी तेजगति से आती हुई दिखाई दी जो नाकाबंदी व पुलिस जाने को देखकर फोरचुनर गाड़ी के चालक द्वारा

उक्त गाड़ी को वापस मोड़कर तेजगति से भगाकर ले जाने लगा जिस पर फोरचुनर गाड़ी का पीछा किया तो पुलिस जान्ता को पास आते देखकर फोरचुनर गाड़ी का चालक गाड़ी को छोडकर भाग गया जिसका पीछा किया मार उक्त व्यक्ति कंटीली झाड़ीयो का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा एवं वाहन की तलाशी ली गई तो फोरचुनर वाहन में अवैध राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 83 कार्यवाही कॉर्टुन पाये गये जिनको जब्त किये जाकर अज्ञात मुलजिम के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया है।

अभियान के दौरान लिये नमूने अनसेफ पाये गये

करौली । शुद्ध आहार मिलावट पर बार अभियान के अंतर्गत इस वर्ष में फूड सेफ्टी टीमों द्वारा 189 सैपल लिए गए जिनमे से 1०1 नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जांच रिपोर्ट अनुसार 13 नमूने सब स्टैंडर्ड एवं कंटांमिशन तथा 9 फर्मों के नमूने अनसेफ पाए गये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जयंतीलाल मीणा ने बताया कि1 जनवरी से 23 अप्रैल तक 189 नमूने विभाग द्वारा दुकानों से लिए गए जिनमें से खाद्य प्रयोगशाला भरतपुर से 1०1 नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जांच रिपोर्ट अनुसार 13नमूने सब स्टैंडर्ड एवं कंटांमिशन तथा 9 फर्मों के नमूने अनसेफ पाए गये। उन्होंने बताया कि अमानक पाए गए फर्मों के प्रकरण

न्यायालय में पेश किए जाने वालों में चैंबे जी दुग्ध डेयरी पुरानी टुक यूनिशन करौली से पनीर का सैपल बीकानेर मिष्ठान भंडार गंगपुर सिटी मोड करौली से धी,दिनेश चंद कैलाश चंद किराना स्टोर मुरलीपुरा भंवर विलास पैलेस के पास करौली से गुड का सैपल,मोहन मिष्ठान भंडार स्टेट बैंक के पास चैंचरी पडा करौली बेसन के लड्डू,शिव मिष्ठान भंडार शिव कॉलोनी सुराठ का मावा,राठौर लघु गृह उद्योग भूडरा बाजार करौली से लिसेडा का अचार एवं आम का अचार,गोमती ट्रेडिंग कंपनी रोडवेज बस स्टैंड के पास हिंडौन सिटी करौली से सरसों का तेल,जिंदल मिष्ठान भंडार मेंम मार्केट नादोती से पनीर, बोलरो वाहन से मिर्क केक का सैपल अमानक पाया है।

कन्याओं को कराया मीठा भोजन

बांसवाड़ा । शहर की वाडिया कॉलोनी स्थित प्रभु बा के त्रिपुर आश्रम में साधको ने प्रभु बा के जन्मदिवस पर सत्संग एवं आरती की। त्रिपुर आश्रम के जयप्रकाश पाठक एवं कल्पेश मेहता ने बताया कि बा के जन्मोत्सव पर साधको ने गुरु पादुका पूजन, सामूहिक करणात्रिपदी के पाठ, सदसंग के पश्चात गुरु आरती का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि त्रिपुर आश्रम की ओर से ओडीच्यवाडा स्थित आश्रय सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां उमा बालिका गृह में बालिकाओं को मीठा भोजन कराया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को प्रतिदिन कम से कम एक नेक कार्य करने एवं सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया गया।

बदमाशों ने मन्दिर के ताले तोड़े

टोंक । लांबाहरिसिंह पुलिस थाने क्षेत्र स्थित बाबा रामदेव मंदिर में शनिवार मध्य रात को चोरों ने मंदिर परिसर के भंडार कक्ष में ताला तोड़ कर सामान बखैर दिया तथा मंदिर के पास कुटिया में सो रहे वृद्ध रतन जाट से चोरों ने दान पात्र की चाबी मांगी, जिस पर वृद्ध द्वारा मना करने पर चोरों ने उसे मारा-पीटा और उसकी जेब में रखे पांच हजार रुपए लूट लिए।

वही लाम्बाहरिसिंह थाना प्रभारी राजकुमार बिरला का कहना है कि मंदिर की अलमारी और पड़ोस में रहने वाले वृद्ध के साथ अलमारी की चाबी नहीं देने पर मारपीट करने की सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तथा जांच में कोई भी रिपोर्ट नहीं मिली है।

70 यूनिट रक्त एकत्रित

भीम । विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कुकरखेड़ा मण्डल द्वारा विधायक हरिसिंह रावत के जन्मदिवस के उपलक्ष में विशाल रव्दान शिविर राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीपलीनगर में रविवार को आयोजित किया गया शिविर मे लगभग 7० रक्तदाताओं ने भाग लिया इस दौरान कुकरखेड़ा मंडल अध्यक्ष नारायण सिंह ,उपाध्यक्ष श्रवणसिंह , भीम प्रधान बिरमसिंह , जिला परिषद सदस्य नरेंद्र बागडी ,मण्डल महामंत्री विक्रमसिंह , दिवेर मंडल अध्यक्ष यसवंत सिंह , जीवन प्रशासक चंद्रशमन सिंह गोविन्दसिंह कुशलपुरा, पंचायत समिति सदस्य नारायण सिंह हमीर सिंह, सत्येन्द्रपाल सिंह बरार आदि मौजूद थे।

अवैध खनन के खिलाफ रालोद के कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

रूपवास भरतपुर (निसं)। बथाना क्षेत्र में तेजी से फैलते अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध गांव सालाबाद में राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र कसाना के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बडी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

सुरेन्द्र कसाना ने बताया कि बंशी पहाड़पुर और बंध बारीटा क्षेत्र की पहाडि़यों अवैध खनन माफ़ियाओं की लापरवाही का शिकार हो रही है। पहाडि़ों से पत्थरों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि जल स्रोतों, जैव विविधता और वन्य जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि माफ़िया ट्रेको और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए बड़े-बड़े पत्थरों की ढुलाई कर बथाना स्थित रीकी औद्योगिक क्षेत्र में इन्हें बेचा जा रहा है। खनिज और वन विभाग के साथ-साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन की चुप्पी इस अवैध कारोबार में मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

पर्यावरणीय खतरे और प्रशासनिक चुप्पी : विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार का अवैध खनन न केवल भौगोलिक अस्तंतुलन पैदा करता है बल्कि बारिश के पानी के संग्रहण, भूजल स्तर और जंगलों के प्राकृतिक तंत्र को भी नुकसान पहुंचाता

तीन नकाबपोश ने अचार दुकानदार पर की फायरिंग, घुटने पर लगी

भरतपुर (निसं)। भरतपुर जयपुर रोड पर छौंकरवाड़ा पर सड़क किनारे अचार-मुरब्बे की दुकान लगाने वाले दो भाई देर रात दुकान बंद कर रहे थे। गल्ले से सैस निकालकर जेब में रख लिए और सामान समेटने लगे। इसी दौरान एक बाइक पर आए 3 बदमाशों ने आते ही उन पर फायरिंग कर दी। एक भाई के घुटने के पास गोली लग गई। वारदात लूट के मकसद से की गई थी, हालांकि आरोपियों को कुछ नहीं मिला तो फरार हो गए।

घटना भरतपुर के खेडली मोड़ थाना इलाके में शनिवार रात 12 बजे हुई। वहीं पास में एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी में फायरिंग की घटना कैद हो गई। घायल दुकानदार का इलाज राजकीय आरबीएम हॉस्पिटल भरतपुर में चल रहा है। हॉस्पिटल में भर्ती देव नारायण (21) ने बताया- मैं भरतपुर जिले के छौंकरवाड़ा गांव का रहने वाला हूं। कल देर रात मैं और मेरा बड़ा भाई पवन (23) दोनों खेडली मोड़ में छौंकरवाड़ा चौराहे पर सड़क किनारे अपनी अचार की दुकान पर थे। हम देर रात दुकान बंद करते हैं। कल भी रात 12 बजे के करीब दुकान बंद कर रहे थे। पवन ने गल्ले से सैस निकालकर अपनी जेब में रख लिए थे। तभी बाइक पर तीन युवक दुकान के पास आकर रुके। उनके चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। बाइक रुकते ही सबसे पीछे बैठा युवक



बाइक पर आए 3 नकाबपोशों ने अचार दुकानदार पर फायरिंग की जिससे वह घायल हो गया।

उतरा और उसने सीधे हम दोनों भाइयों की तरफ फायर कर दिया। बीच में बैठा युवक भी तभी उतरकर आया और वह भी फायरिंग करने लगा। एक गोली मेरे पैर में लगी। मैं एक हमलावर की तरफ झपटा। हमलावर पीछे हटा तो मैं वहां से भाग निकला। पवन ने अपने बचाव में हमलावरों की तरफ कुर्सी फेंकी। इसके बाद वह भी दुकान छोड़ भाग निकला।इसके बाद एक हमलावर दुकान पर चढ़ा और गल्ला चेक किया। लेकिन उसमे सैस नहीं थे। वारदात के बाद तीनों हमलावर वहां से बाइक पर बैठकर फरार हो गए। हमने घटना की सूचना खेडली मोड़ थाना पुलिस को दी।

परिवार के लोग मुझे आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। देव नारायण ने बताया- आरोपियों के चेहरे ढके हुए थे, इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी। लेकिन 1० दिन पहले हमारा झगड़ा सुभाष और अनिल नाम के युवकों से हुआ था। झगड़े से बाद से वे देख लेने की धमकी दे रहे थे। शक है कि उन्होंने ही हमला कराया होगा। फिलहाल अभी पुलिस में लिखित शिकायत नहीं दी है।

खेडली मोड़ थाना अधिकारी राम निवास मीणा ने बताया- पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इन तीनों पर शनिवार को महुआ (भरतपुर) में भी फायरिंग करने का शक है।

भरतपुर जिले के बथाना रूपवास क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल का विरोध प्रदर्शन किया।

है। बथाना क्षेत्र के पहाडी इलाकों में हो रहा यह खनन लंबे समय तक जारी रहा तो इसके दुष्परिणाम दूरगामी होंगे।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन, जन आंदोलन की चेतावनी : गौरतलब है कि 23 मई को रालोद ने बथाना एसडीएम दीपक मित्तल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें अवैध खनन की तत्काल रोकथाम और दोषियों पर सख्त कार्रवाई

प्रतिलिपि भेजी गई है, जिससे अवैध खनन पर कार्रवाई की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

बथाना रूपवास क्षेत्र की जनता अब इस अवैध खनन के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रही है। प्रशासन को चाहिए कि समय रहते इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान ले, ताकि पर्यावरण, जन स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को और अधिक नुकसान न पहुंचे।

संक्षिप्त

निःशुल्क चेकअप कैप का आयोजन

चाकसू निमोडिया रोड स्थित अपनत्व पशुचर जोन एकेडमी में लाइफ केयर क्लब, जयपुर द्वारा हेल्थ सेमिनार और निःशुल्क चेकअप कैप का आयोजन किया गया। जिसमें 5० से अधिक लोगों ने अपना चिकित्सा जांच करवाया और कैसे हम डॉक्टर प्री लाइफ जी सकते हैं उसके बारे में जाना । इस चेक अप कैप में जयपुर से लाइफ केयर क्लब के प्रतिनिधि और सीनियर वेलनेस कोच अमित खंडेलवाल , सुरभि गुप्ता , ज्योति खंडेलवाल पधारी और उन्होंने इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे ब्रेकफास्ट को बदलाव कर किस तरीके से हेल्टी लाइफ को जीया जा सकता है उसके बारे में अवागत कराया। डाई घंटे के इस सेशन में चाकसू के ही वेलनेस कोच हरिशंकर जी गौतम एवं अपनत्व पशुचर जॉन एकेडमी के भवानी सिंह भी उपस्थित रहे । इस चिकित्सा शिविर में बीमारियों से और डॉक्टर से दूर रहने के उपाय हेतुदी लाइफस्टाइल और योग से व्यायाम से बीमारियों को दूर करने के तौर तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण अवार्ड से सम्मानित

राजगढ़ । उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण अवार्ड 2०25 से सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन ज्ञान लाइव एजुकेशन और अली बोर्ड द्वारा किया गया । इसमें चौदह राज्यो के शिक्षकों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम के तहत देश के 12० शिक्षकों को सम्मानित किया गया । शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का चयन पर्यावरण संरक्षण के आधार पर किया गया । इनके द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी पेड़ पौधों में लगातार पानी दिया जाता है और पर्यावरण के संरक्षण को लेकर अनेक प्रकार के कार्य किए गए और पक्षियों के लिए एड्स लगाने का कार्य भी किया गया जिससे पक्षी अपनी प्यास बुझाते हैं । सोलार मीडिया के माध्यम से बच्चों और उनके माता-पिता को पर्यावरण संरक्षण के बारे में मोटिवेट किया जाता है । पिछले वर्ष सनी को बेहतरीन कार्य के लिए राज्य पुरस्कार प्राप्त किया था और इस वर्ष भी सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में अतिथि गजेन्द्र भाई जोशी,पुलकित जोशी,चेतन पटेल तारल और महेश रहे।

नितिन छाबड़ा का जैन समाज ने किया सम्मान

निवाड़ी। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा दिगम्बर जैन नसियां मंदिर में भाजपा शहर मण्डल के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन छाबड़ा का जैन समाज के लोगों ने राजस्थानी परम्परागुसर पगड़ी एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौला ने बताया कि नितिन छाबड़ा का भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष नियुक्त होने पर छाबड़ा को शिखरचंद काला, सुनील भाणजा, रिकु झांझरी, विनोद जैन, विमल गिन्दोड़ी, सुशील गिन्दोड़ी, राकेश संधी, नवरत्न टोंया एवं पवन बोहरा सहित लोगों ने राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत किया। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने जैन समाज के लोगों का आधार व्यक्त किया।

हनुमान बने महासभा के जिलाध्यक्ष

निवाड़ी। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हुए जिसमें हनुमान जांगिड़ रानोली ने कालूराम जांगिड़ दूनी को 15० मतों से हराकर जिलाध्यक्ष के पद पर विजय हासिल की है। चुनाव अधिकारी महेश झोंप्लया व सुनील माकड़ ने बताया कि जिलाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर मतदान के लिए निवाड़ी तहसील के मतदाताओं के लिए विश्वकर्मा मंदिर तथा अन्य सभी तहसीलों के मतदाताओं के लिए विश्वकर्मा मंदिर टोंक में मतदान केंद्र बनाया गया। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे तक 55 प्रतिशत एवं शाम 5 बजे तक 85 प्रतिशत मतदान हुआ।

नम्बर मिलाइए 9587884433 सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मालपुरा। पहलगाम मे हुये आतंकी हमले मे आतंकवादियो द्वारा धर्म पुछकर पर्यटको की कि गई निर्मम हत्या पर पलटवार करते हुये भारतीय सैनिको द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर अभियान के तहत पाकिस्तान के घर मे घुसकर आतंकवादी ठिकानो को नष्ट कर आतंकवादियो को सिन्दुर की ताकत का एहसास करवाये जाने पर भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व द्वारा देशभर मे भी निकाली गई तिरंगा यात्रा। पुरानी तहसील बारादरी बालाजी मंदिर रामचरितमानस हॉल मे मौजूद देश प्रेमियो को सम्बोधित करते हुये केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि 2०14 से पूर्व भारत पर हो रहे आतंकवादी हमलो एवं पाकिस्तान की करतूतो का जवाब देने मे कौताही बरती जाती थी लेकिन आज 2.०25 के नवीन भारत मे केन्द्र सरकार द्वारा तीनो सेना प्रमुखो को आतंकवाद का सफाया करने के लिये खुली छुट दी जाती है तो भारतीय सैनिको के द्वारा शेर सी गर्जना के साथ पाकिस्तान के घर मे घुसकर आतंकवादी ठिकानो को नष्ट करने व सो

गोदामों व दुकानों से लिये फलो के नमूने

टोंका। आयुस्त्र खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण एच गुईटे के निदेशों पर आयजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने हेतु चिकित्सा विभाग टोंक द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान शुद्ध आहार-मिलावट पर वार के तहत देवली व टोंक शहर की फ्रूट मण्डी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई। मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदनलाल गुर्जर ने देवली उपखण्ड में संचालित फ्रूट गोदामों का औचक निरीक्षण कर कलों के नमूने लिये, इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर द्वारा टोंक शहर की फ्रूट मण्डी मे संचालित फर्मां व गोदामों का औचक निरीक्षण कर फल-फ्रूट (सेब, आम, केला, पपीता, अंगूर, तरबूज, खरबूजा इत्यादि) का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला में भिजवाया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।

देश सेल्यूट करता है हिंदुस्तान की जांबाज बेटियों को : रामसहाय वर्मा

निवाड़ी। भाजपा महिला मंडल द्वारा पहलगाम आंतकी हमले को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में मुख्यमंत्री नरमलाल शर्मा के निर्देशानुसार रविवार को सुबह करीब 8:3० बजे गंगणगौरी बाजार स्थित प्राचीन कंकाली माता मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशाल सिंदूर यात्रा निकल गई। सिंदूर यात्रा को विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपाध्यक्ष दिलीप इसरानी, शहर मंडल अध्यक्ष नितिन छाबड़ा व महिला मंडल की पूर्व प्रधान ममता जाट के नेतृत्व में रवाना हुई। सिंदूर यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए खारी कुई, सर्राफा बाजार, चौहटी बाजार, बिलाल मकैट, पुरानी सज्जी मंड़ी, बड़ा बाजार, पटेल रोड, बस स्टैंड व अहिंसा सर्किल होते हुए गांधी पार्क में सभा के रूप में तब्दील हुई। विधायक रामसहाय वर्मा ने सभी महिला व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर



केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के नेतृत्व मे मालपुरा मे निकाली गई तिरंगा यात्रा ।

से अधिक आतंकवादियो को मौत के घाट उतारने जैसा साहसी कार्य किया जाता है।

हाल ही मे भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिन्दुर के जरिये विश्व पटल पर भारत की ताकत व सैन्य क्षमता का लौहा मनवाया है। तो केन्द्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान व आतंकवादियो

को आर्थिक रूप से तोड़ने के लिये पानी बंद करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाये है। हजारो की संख्या में जुटे देश प्रेमियो ने केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के साथ हाथो मे तिरंगा ले भारत माता के जयघोष व पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुये शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुये कोर्ट परिसर पहुंचे।

को आर्थिक रूप से तोड़ने के लिये पानी बंद करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाये है। हजारो की संख्या में जुटे देश प्रेमियो ने केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के साथ हाथो मे तिरंगा ले भारत माता के जयघोष व पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुये शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुये कोर्ट परिसर पहुंचे।



दिव्य ज्योति शक्ति कलश रथ यात्रा का स्वागत करते लोग।

समुद्री की कामना की। देर शाम रथयात्रा ग्राम सुजातनगर पहुंची जहां ग्रामीण हुकमचन्द शर्मा व राजेन्द्र यादव के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा का जैसे ही प्रवेश हुआ तो लोगों ने ना केवल दिव्य ज्योति शक्ति कलश रथ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया बल्कि समूचे गांव के महिला पुरुष व बच्चों ने दिव्य ज्योति व शक्ति कलश के दर्शन किये।



भारत विकास परिषद सहित विभिन्न सामाजिक संगठनो व शहरवासियो ने तिरंगा रैली पर पुष्पवर्षा की।

तिरंगा रैली मे देश को प्रेम करने वाले मुस्लिम भाई भी शामिल हुये। पहली बार तिरंगा रैली मे शामिल मुस्लिम समाज के लोगो ने संदेश दिया कि हिन्दुस्तान की सरजमीन पर रहने

■ केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी सहित भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह भी हुये शामिल

वाले सभी वतन के नाम पर एक है। भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह ने कहा कि भारतीय सेना के द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर मे शौर्य व पराक्रम का प्रदर्शन कर विश्व पटल पर भारत की सैन्य की ताकत व पराक्रम का प्रदर्शन किया। ऐसे सैनिको की बदोлат ही आज हम सुरक्षित है।

इस दौरान मालपुरा विधानसभा तिरंगा यात्रा संयोजक संत कुमार जैन, सहसंयोजक धिरोक चन्द जैन,पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार जैन सहित बड़ी संख्या मे भाजपाई व सर्वसमाज के लोग एवं पूर्व सैनिक मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के पश्चात मंत्री ने मालपुरा मे प्रस्तावित नवीन बस स्टैण्ड निर्माण के लिये चिन्हित भूमि पर चल रह सफाई कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियो को कार्य मे गति लाने के निर्देश दिये।

केंद्रीय वन मंत्री ने जताई शोक संवेदना

अलवर।केन्द्रीय पर्यावरण एवं वनमंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को कदमुर विधायक रमेश खिंची के कदमुर के गांव अखेगढ स्थित निवास स्थान पर जाकर उनकी माता के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर शोक संतपन परिजनों को सांत्वना दी। उल्लेखनीय है कि कदमुर विधायक रमेश खिंची की 98 वर्षीय माता कौशलया देवी का निधन 21 मई को उनके पैतृक गांव अखेगढ में हो गया था। कौशलया देवी अपने पिछे भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं जिसमें चार पुत्र व दो पुत्रियां हैं। इसके पश्चात मंत्री यादव ग्राम झागडा में दिवंगत बालक के शोक संतपन परिजनों को सांत्वना देकर ढाढस बंधाकर परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। गौतलबदा है कि इस प्रकरण में पुलिस ने एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लार, पूर्व केबिनेट मंत्री हेमसिंह भडगाना, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, बजारवा मीणा व संजय नरूका सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

परिदा बचाओ अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बांधे परिडे

पावटा। पर्यावरण परिवर्तन की वजह से गर्मी में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसके कारण आम ईसनों की तरह ही बेजुबान पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। ऐसे में अब बेजुबान पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने और धूप मिटाने के लिए माता सुंदरी को देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा के द्वारा चलाया जा रहा अभियान परिड़ा लगाओ परिदा बचाओ के तहत श्री श्री 1०8 मोहनदास रामायणी महाराज के सानिध्य एवं एनजीओ के प्रधान संरक्षक पंडित द्वारकेश मिश्र, राकेश गौड़, विकास शर्मा एवं शिक्षाविद गजानंद टीलावत जी के नेतृत्व में गोपाल भैया मॉरर, अखडेत वाले हनुमान मंदिर एवं नरसिंह जी मंदिर पावटा परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी के परिडे लगाए गए। इस अभियान के तहत क्षेत्र में जगह जगह परिडे और पानी की टंकी लगाई जा रही है। वहीं, सबसे खास बात यह है कि पशु-पक्षियों के लिए

परिडे लगाने के साथ ही इनमें पानी डालने तक की जिम्मेदारी तय की गई है। एनजीओ अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी ने बताया कि ग्रीष्मकाल प्रारंभ होने के साथ ही गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों को खासा दिक्कतें पेश आती हैं। ऐसे में उनके पीने के पानी की व्यवस्था करने के मकसद से माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा क्षेत्र में अधिक से अधिक परिडे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस अभियान में गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक समितियां और ग्रामीणों को जोड़ कर सभी की जिम्मेदारी तय की गई है। इस अवसर पर समाजसेवी कैलाश चंद शर्मा, मोहन लाल सेन, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सैनी, अभिषेक शर्मा, उदित मिश्रा, कैलाश बटवाल, धर्मेन्द्र बटवाल एवं एनजीओ के सदस्य उपस्थित रहे।

■ पंचायत समिति से सुभाष चौक तक भारत माता की जय के नारों से गुंजा शहर, विधायक ने दिखाई हरी झंडी

विकास सिंह, पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, प्रमोद सैनी त्रिवेणी मंडल अध्यक्ष एवं महेश कुमार यादव बाणगंगा मंडल अध्यक्ष, विकास शर्मा विराटनगर मंडल अध्यक्ष, हितेंद्र लाटा, नीरज सेन, मंजीत, रामनिवास यादव, हेमराज सैनी, रामेश्वर यादव, सहित भाजपा पदधिकारी व कार्यकर्ता और देशभक्त नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने भारतीय सेना के सम्मान में अर्धतनुर इस्पात की सफल बनाने में योगदान दिया।

सार-समाचार मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

चाकसू। महात्मा ज्योतिबा फूले सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा बारहवीं बोर्ड के परिणामों में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले सैनी समाज के विद्यार्थियों का उनके घर पहुंचकर सम्मान किया गया । पूर्व पार्षद हनुमान सिंह सैनी ने बताया कि विज्ञान वर्ग में 93.4० प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर विवेक सैनी पुत्र रामेश्वर सैनी ,90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अमन सैनी पुत्र कमल किशोर सैनी, 88 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर भावना सैनी पुत्री रामावतार सैनी एवं कला वर्ग में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पुजा सैनी पुत्री रामदयाल सैनी व वाणिज्य वर्ग में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पलक सैनी पुत्री लक्ष्मण सैनी निवासी चाकसू के घर पहुंचकर माला एवं साफा पहनाकर , मिठाई खिलाकर स्वागत किया । इस दौरान सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों के परिजनों का भी सम्मान कर महात्मा ज्योतिबा फूले का चित्र भेंट किया । इस अवसर पर पूर्व पार्षद हनुमान सिंह सैनी ने सभी विद्यार्थियों से आगे भी महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले के पद चिन्हों पर चलकर देश , समाज और परिवार का नाम रोशन करने की अपील की ।विवेक सैनी, पुजा सैनी व भावना सैनी का लक्ष्य न्यूपीएससी सेवा एवं अमन सैनी का इंजीनियरिंग सेवा में जाने का है । इस अवसर पर मुकेश सैनी , ताराचंद सैनी , राजू जादम, लालचंद सैनी,मुकेश काशीपुरा, लक्ष्मण सैनी आदि मौजूद थे।

सत्यनारायण कुमावत निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत

फुलेरा । फुलेरा तहसील कृषि आदान विक्रेता संघ की एक आवश्यक बैठक का आयोजन रविवार को प्रातः 1० बजे बालाजी लाइपास स्थित देवन्दा भवन परिसर में किया गया। जानकारी के अनुसार बैठक की अध्यक्षता संघ के पूर्व महामंत्री मूल चन्द देवन्दा के द्वारा की गई। वहीं बैठक के बाद संघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव सम्पन्न करवाये गये। जिसमें संघ के निवर्तमान अध्यक्ष सत्यनारायण कुमावत को ही सर्व सहमति से पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया।इस अवसर पर सरंक्षक हीरालाल बरडवाल, विनोद नारायण जोशी, देवी लाल चौधरी, रामकिशोर मीणा, बाबूलाल कुमावत, शिवकरण गुर्जर, मुकेश कुलहरी, गोगराज गुर्जर, सुरेन्द्र निंदारवाल, मंगल चन्द रणवा, रामलाल चौधरी, गोपाल लाल कुमावत, गोपाल बालोदिया, महेन्द्र सिंह मीणा, राजेन्द्र कुमावत, लक्ष्मण गुर्जर, नाथूलाल कुमावत, गोपाल देवन्दा, राजू गुर्जर सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

बच्चों को सम्मानित किया

मनोहरपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा जारी कक्षा 12 वीं साइंस, आर्ट्स तथा कॉमर्स के परीक्षा परिणाम 2०25 में हर वर्ष की भांति कृष्ण विद्या मंदिर सोनियर सैकंडरी स्कूल मनोहरपुर ने एक बार फिर से सर्वोच्चता के मुकाम को हासिल करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि अगर लक्ष्य अंबर को छूने का हो तो नामुमकिन कुछ भी नहीं है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा प्रतिभाओं का मिठाई खिलाकर, माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। निदेशक डॉ. राजेंद्र यादव ने बताया कि कमल यादव 96.4०, भिया कुमावत 96.2०, सौम्या पवीक 96.2०, किमिश 95.4०, चारु मिश्रा 95, अस्मित सैन 94.2०, अमन गोरा 93.4०, नितिका शर्मा 93.4०, खुशरू यादव 93, अंक प्राप्त किए हैं।

अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल का विरोध प्रदर्शन किया।

भरतपुर (निस)। बयाना क्षेत्र में तेजी से फैलते अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध गांव सालाबाद में राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र कसाना के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। सुरेन्द्र कसाना ने बताया कि बंशी पहाड़पुर और बंध बरैटा क्षेत्र की पहाड़ियाँ अवैध खनन माफियाओं की लापरवाही का शिकार हो रही हैं। पहाड़ों से पत्थरों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है।

‘मन की बात’ का लाइव प्रसारण

भरतपुर (निस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 122वें संस्करण में पूरे देश को सम्बोधित किया। ‘मन की बात’ के 122वां एपिसोड का लाइव दर्शन हेतु पूरे देश से 19 राज्यों में एक–एक स्थान को चुना गया जिसमें राजस्थान के भरतपुर जिले के शहर मण्डल भरतपुर को भी यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले ‘मन की बात’ का लाइव प्रसारण भाजपा शहर मण्डल कार्यालय चौधरी मैरिज होम हीरादास भरतपुर

■ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के पिता किशन स्वर्ण रहे, विषिट अतिथियों में संभाग प्रभारी हेमराज मीणा थे

पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के पिता किशन स्वर्ण रहे, विषिट अतिथियों में संभाग प्रभारी हेमराज मीणा एवं पूर्व सांसद रंजीता कोली थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 122वें एपिसोड के माध्यम से समस्त भारतवासियों से रूबाबूक हुए। इस महत्वपूर्ण एपिसोड में उन्होंने न केवल सामाजिक, आर्थिक और सैन्य मुद्दों पर चर्चा की, बल्कि विकास के समन्वित अनेकानेक महत्वपूर्ण विषयों पर सटीकता और स्पष्टता से अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता का बखान करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं के अदम्य साहस और पराक्रम ने प्रत्येक हिन्दुस्तानी का स्फिर उठा किया है। देश के हर नागरिक ने संकल्प लिया है कि आतंकवाद को खत्म करना है। ऑपरेशन सिन्दूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि यह बदलते भारत की तस्वीर है।

प्रमुख-10 नियम 6 (7) अंशक	दिनांक-23/5/25				
प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक लोक सूचना					
क्रमांक-नयापन/2025/457					
इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिवृत्ति अधिनियम, 1955 की धारा 6 के अधीन पृथकी प्रयोजनी के लिए भूमि के उपयोग (आवासीय भू-राजस्व) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृत्ति अधिनियम के निर्देश पर कोई आदेश है, तो यह इस अधिनियम के दिशे के धारा-90 के अधीन किसी कार्य हेतु पर कार्यरत समस्त के जीवन अवधि-व्यवस्था के समस्त सम्पत्तियों के साथ उनको आदेश प्रदान कर संज्ञा। अव्युत्त नियम सम्य के भीतर-होकर किसी आदेश के अन्तर्ग में यह समझा जायेगा कि किसी को आदेश नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23/5/2५/25 को जारी की जाती है।					
क्र.सं.	जिला का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
जयपुर	सांभर लेक	1320, 1321/2239, 1381/2243	कुल किता 03 कुका 1,9726 हेक्टर	आवासीय में स्थानरण हेतु।	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिवृत्ति अधिनियम, 1955 की धारा 6 के अधीन पृथकी प्रयोजनी के लिए भूमि के उपयोग (आवासीय भू-राजस्व) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृत्ति अधिनियम के निर्देश पर कोई आदेश है, तो यह इस अधिनियम के दिशे के धारा-90 के अधीन किसी कार्य हेतु पर कार्यरत समस्त के जीवन अवधि-व्यवस्था के समस्त सम्पत्तियों के साथ उनको आदेश प्रदान कर संज्ञा। अव्युत्त नियम सम्य के भीतर-होकर किसी आदेश के अन्तर्ग में यह समझा जायेगा कि किसी को आदेश नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23/5/2५/25 को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

स्वोया पाया

प्लाट नम्बर 367-ए, संजय नगर-डी, झोटवाड़ा जयपुर, कुल क्षेत्रफल 1०4 वर्गजाट का आवंटन कर, जो कि संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि. झोटवाड़ा जयपुर द्वारा कर्पूरचन्द जैन के नाम से जारी है, मेरे से सुभाष चौक से झोटवाड़ा के बीच खी गया है। मिलने पर सम्पर्क करें, सबा अली-मो-9414०57384

मैं सियाराम सांवरिया पिता सत्यनारायण सांवरिया वाई नंबर 12 आसोलाई रोड कुम्हारो का मोहल्ला का रहने वाला हूं मेरे द्वारा मोहनलाल रौर पिता देवाराम रौर से इकरारनामे पर पल्लवी विहार बाईपास रोड चाकसू में प्लॉट नंबर 1०9 खरीदा था जिसके साथ उक्त प्लाट का ओरिजिनल पट्टा भी था जो गुम हो गया है मिलने पर संपर्क करें। मॉ.न.9509093135

I have Lost 500 Shares of Safari Industries Ltd. in the name of Shyam Shankar Dikshit and Son Datt, Folio no. S00901, Certificate No. 340, Distinctive Nos 189256 to 189755. Any person found please contact: Som Datt Dixit, B-169, Janta Colony, Jaipur. Mb. 9414369850

कार्यालय आवासीय मण्डल, राखट-कोशिंग अवस्थित, खण्ड-कोशिंग बज, जयपुर (राजस्थान दौला) (Email id: rech.rhb@rajasthan.gov.in)

आवश्यक सूचना
सर्व सारण को सूचित किया जाता है कि आकर संख्या 2/83 कसोट पील योजन सम्भागधुर का आवंटन श्री नारायण प्रसाद शर्मा पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा के नाम अक्टोब पत्र संख्या 1321 दिनांक 1५.1०.1994 अरु किशो गया एवं दूनी भौतिक कक्षा दिनांक 05.06.1995 को सम्पन्न किया गया। मण्डल द्वारा श्री नारायण प्रसाद शर्मा पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा के नाम पडीयन प्रत्र जारी किये गये छिन्हें पडीयन कावलय सम्भागधुर मे दिनांक 22.02.1997 को पडीयड करवा किये गये। श्री नारायण प्रसाद शर्मा पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा द्वारा उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.02.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीयड किये गये के दिनांक 15.०2.2००८ को श्री नरमदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल सेन के नाम कर दिया गया। श्री शम्भुदयाल निना पुत्र श्री हनन्तीलल निना द्वारा उक्त आवस को जरिए पडीयड वान-पत्र दिनांक 15.०1.2025 को श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना के नाम कर दिया गया। अतियान में श्रीमती मयता निना पीन श्री प्रमनकाश मीना द्वारा कय के पक्ष मे पीडीडी हलतारण कयाने हेतु प्रशासनिक शुल्क मध्यम आय वर्ग उा उना करवाकर वतान की डूत सुती श्री व उना दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त आवस को किये अरुए पडीय

चार राज्यों में विधानसभा उपचुनाव 19 जून को

चुनाव आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब व पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की

नई दिल्ली, 25 मई देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। भारत निर्वाचन आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। इन सभी पांच सीटों पर 19 जून को मतदान होगा और मतों की गणना 23 जून को की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। यहां की कड़ी सीट पर विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी की मृत्यु के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। इसके अलावा राज्य की विसावर सीट पर भी भयानी भूपेंद्रभाई गंडूभाई के इस्तीफे के कारण उपचुनाव कराया जा

- गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की है कि कांग्रेस गुजरात की दो सीटों पर आप पार्टी की साझेदारी के बिना चुनाव लड़ेगी। पंजाब की एक सीट पर भी कांग्रेस व आप पार्टी ने अलग उम्मीदवार घोषित किए हैं।
- पाँचों सीटों पर मतगणना 23 जून को की जायेगी।

रहा है। अन्य राज्यों में केरल की नीलांबुर सीट पर पी वी अनवर के इस्तीफे के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। पंजाब की लुधियाना पश्चिमसीट पर मौजूदा सदस्य गुरप्रीत बस्सी गोपी की मृत्यु के कारण उपचुनाव होना है। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया है।

रोचक है कि उपचुनाव की घोषणा

के लिए वोट नहीं किया है। यहां या तो कांग्रेस है या भाजपा।"

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब की लुधियाना पश्चिमसीट पर उपचुनाव के लिए भारत भूषण आशु को उम्मीदवार घोषित किया था। उपचुनाव लड़ने के लिए उनकी उम्मीदवारी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंजूरी दी थी। एआईसीसी को प्रेस विज्ञप्त में कहा गया है, "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 64-लुधियाना पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधानसभा के आगामी उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में भारत भूषण आशु की उम्मीदवारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।" छब्बीस फरवरी को आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर उपचुनाव के लिए राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार बनाया था।

इजरायल भारत से रॉकेट लॉन्चर खरीदेगा

नई दिल्ली, 25 मई। महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों के अग्रणी भारतीय निर्माता, एनआईबीई लि. को इजरायल की विश्व प्रसिद्ध अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनी से करीब 150 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर में 300 किलोमीटर तक की रेंज क्षमता वाले युनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर का निर्माण और आपूर्ति शामिल है। यह वैश्विक बाजार के लिए पहली बार भारत में निर्मित एक अत्यधिक उन्नत तकनीक है।

एनआईबीई लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। इस अनुबंध के साथ, हम प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जो भारतीय धरती पर विश्व स्तरीय रक्षा तकनीक ला रहा है। यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर अपनी श्रेणी में सबसे उन्नत हैं और इसे वर्तमान में उपलब्ध वैश्विक विकल्पों से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ऑर्डर न सिर्फ एनआईबीई लिमिटेड के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एक बड़ा कदम है।

भारत हर खतरे से रक्षा करने के लिए सक्षम होना चाहिए : भागवत

आरएसएस की शताब्दी पर संघ प्रमुख ने कहा कि सच्ची ताकत भीतर से आती है

- भारत की सीमाओं पर लगातार हो रहे आक्रमण पर भागवत ने कहा, मौजूदा विश्व परिदृश्य में ताकत का निर्माण विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है।

भागवत ने मौजूदा चुनौतियों के संदर्भ में भारत की सीमाओं पर लगातार हो रहे आक्रमण की ओर इशारा किया और कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में ताकत का निर्माण एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में विचार-विमर्श का हवाला देते हुए भागवत ने कहा कि संघ ने इस मुद्दे पर गंभीरता से

विचार किया है। उन्होंने कहा, हिंदुओं की चिंता तभी होगी जब हिंदू काफी मजबूत होंगे। उन्होंने कहा, इस बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जिस तरह से आक्रोश व्यक्त किया गया है, वह अभूतपूर्व है। यहां तक कि स्थानीय हिंदू भी अब कहते हैं- 'हम भागेंगे नहीं। हम यहीं रहेंगे और अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।' अब हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, दुनिया में जहां भी हिंदू है, हम अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करते हुए उनके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। संघ इसी के लिए है।

‘जिस भ्रष्टाचार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि किरू हाइड्रो प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जानकारी उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी थी, जिसके बाद उन्होंने टेंडर रद्द कर दिया था। मलिक का कहना है कि उनके तबादले के बाद यह टेंडर दोबारा हुआ, लेकिन अब उसी मामले में उन्हें आरोपी बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार और सीबीआई से सवाल किया कि उनके द्वारा उजागर किए गए भ्रष्टाचार की जांच कहां तक पहुंची।

सेना का अपमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर आरएसएस भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी जाँबाज सेना का अपमान किया पर मोदी जी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारी वीर कर्नल पर भरी टिप्पणी की पर आज तक बर्खास्त नहीं हुए। उन्होंने कहा जब पहलगाम में शहीद नैसेना ऑफिसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था तब भी मोदी जी चुप थे। मोदी जी, आप कहते हैं कि आपको रंगों में सिंदूर है, अगर ऐसा है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदजुबानी नेताओं को बर्खास्त करना चाहिए।

ज्योति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि ज्योति, ज़ीशान के साथ मिलकर अहम जानकारीयां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और उनके ऑपरेटिव्स को दे रही थी।

गौरतलब है कि ज्योति मल्होत्रा एक फेमस ट्रेवल यूट्यूबर है और उस पर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तान के लिए जासूसी की।

बोते कुछ दिनों से उसके बारे में पूरे देश में चर्चा हो रही है।

हिमाचल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गई थीं, जिन्हें देर रात तक बहाल कर दिया गया।

इसी दौरान, रामपुर के कई ऊपरी क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे सेब की फसल को खासा नुकसान पहुंचा है। स्थानीय बागवानों का कहना है कि मई के अंत में इस तरह की मौसमीय मार से उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया है।

‘बिजली गुल होने पर बोनस अंक क्यों नहीं’

जयपुर, 25 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी परीक्षा के दौरान सीकर के परीक्षा केन्द्र में बिजली गुल होने पर भी अभ्यर्थियों को बोनस अंकों का लाभ नहीं देने पर एनटीए, एसीएस चिकित्सा, सीकर कलेक्टर और परीक्षा समन्वयक से जवाब तलब किया है। अदालत ने परीक्षा परिणाम को याचिका के निर्णयाधीन रखा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश अनुष्का चौधरी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि गत चार मई को नीट यूजी परीक्षा के दौरान सीकर के एक परीक्षा केन्द्र की बिजली गुल हो गई थी। जिसके चलते परीक्षार्थियों को निर्धारित समय तक परीक्षा देने का अवसर नहीं मिला और उनके कई प्रश्न छूट गए। जिससे कई छात्रों का भविष्य प्रभावित होने की आशंका है। याचिका में कहा गया

- याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में कहा कि खराब मौसम की चेतावनी के बाद भी परीक्षा केन्द्रों पर प्रकाश और बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं की गई।

कि मौसम विभाग ने परीक्षा के दिन मौसम खराब होने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद भी एजेंसियों ने परीक्षा केन्द्रों पर प्रकाश और बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं की। ऐसे में याचिकाकर्ताओं की परीक्षा पुनः ली जाए या उन्हें बोनस अंक दिए जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए परीक्षा परिणाम को याचिका के निर्णयाधीन रखा है।

गैस लीक लोने से मरीजों में भगदड़ मची

शाहजहांपुर, 25 मई। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में रविवार को फॉर्मलीन कैमिकल से बनी गैस लीक होने से भर्ती मरीजों को सांस लेने दिक्कत और आंखों में जलन होने लगी जिससे मरीजों को वार्ड के बाहर निकल गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने विशेष छिड़काव

- शाहजहाँपुर मेडिकल कॉलेज में फॉर्मलीन कैमिकल लीक होने से मरीजों को साँस लेने में दिक्कत हुई।

करके गैस के असर को कम कर दिया। जिला अधिकारी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि शाहजहांपुर के पंडित राम प्रसाद बिस्मिल राजकीय मेडिकल कॉलेज ऑपरेशन थिएटर से तेज धुआं उठा।

कर्नाटक में 18 भाजपा विधायकों का निलम्बन रद्द

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता व संसदीय कार्य मंत्री की बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने निर्णय लिया

बंगलुरु, 25 मई। कर्नाटक विधानसभा के 18 भाजपा विधायकों का निलंबन रद्द कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खदर ने रविवार को घोषणा की कि 18 भाजपा विधायकों का छह महीने का निलंबन वापस ले लिया गया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, विपक्ष के नेता आर. अशोक, और विधिव संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के साथ बैठक के बाद लिया गया। गौरतलब है कि 21 मार्च को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान

- विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, जिसके लिये मुझे सख्त कदम उठाने पड़े।

अनुशासनहीनता और अध्यक्ष के प्रति असम्मान दिखाने के आरोप में इन 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। उस दिन कुछ भाजपा विधायक अध्यक्ष की कुर्सी के

पास पहुंच गए थे, मंच पर चढ़ गए थे और कागज फेंके थे। उन्हें सदन से बाहर निकालने के लिए मार्शलों का इस्तेमाल करना पड़ा था। विधानसभा अध्यक्ष खदर ने कहा, "हालांकि निलंबन का प्रस्ताव मैंने रखा था, लेकिन सदन ने इसे एक प्रस्ताव के माध्यम से पारित किया था। आज मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कानून मंत्री और विपक्ष के नेता ने मुझे से चर्चा की और यह तय किया गया कि निलंबन और इससे जुड़ी शर्तों को वापस लिया जाए और सभी विधायकों को फिर से सदन में काम करने दिया जाए।"




भरोसे की सच्ची मिसाल!

TRUE VALUE के साथ जुड़ चुके हैं 50 लाख हैप्पी करस्टमर्स.



CELEBRATING **50 LAKH+** HAPPY FAMILIES



अपनी कार बेचने/खरीदने के लिए स्कैन करें



376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स



वेरिफाइड कार हिस्ट्री*



1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

TRUE VALUE CERTIFIED

JAIPUR: SECTOR-35, PRATAP NAGER, TONK NAGER, JAIPUR, SANGA AUTONATION PVT LTD.: 9057809180, 7734909000, 7734901000 | PADMAWATI COLONY- II, OPPOSITE METRO PILLAR NO 25, MANSAROVER METRO STATION JAIPUR, VIPUL MOTORS PVT. LTD.: 9829351470, 9509157505, 9351044999 | E-101, ROAD NO. 8, VKIA AREA, JAIPUR, PREM MOTORS: 8058794068, 8058791634, 8058794091 | E-197(A), RIICO INDUSTRIAL AREA, MANSAROVER, JAIPUR, KP AUTOMOTIVE: 9116190342, 9116190346 | B 1 GOVIND MARG, RAJAPARK OPP. PINK SQUARE MALL, KP AUTOMOTIVE: 9549650533, 9116190344 | A-209, RAJENDRA PRASAD NAGAR, 200FT BYPASS, AJMER ROAD, JAIPUR, SATNAM MOTOCORP. 7413900007, 7413900009, 7821823626 | 13 JHOTWARA INDUSTRIAL AREA, NEAR JHOTWARA POLICE STATION, JAIPUR, KTL: 7412068475, 9209056789.